mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-29 अंक-15 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

रीवा

15 जनवरी 2025 बुधवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

रीवा, सतना से एक साथ प्रकाशित

रणजी शिविर की ..

@ पेज 7

महाकुंभ में उमड़ा जनसैलाब, 3.50 करोड़ से ज्यादा श्रद्धालुओं ने स्नान किया

प्रयागराज (एजेंसी)। प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ में आज का दिन काफी अहम है। आज अमृत स्नान का पहला दिन है। इस मौके पर संगम के तट पर श्रद्धालुओं का तांता लगा हुआ

● अखाड़ों के साधु-संतों ने अमृत स्नान किया, शाम तक चला

है। 12 बजे तक 1 करोड़ 60 लाख श्रद्धालुओं ने स्नान किया। जानकारी के मुताबिक आज 3.50 करोड़ से ज्यादा लोगों ने डुबकी लगाई। मकर संक्रांति के मौके पर अखाड़ों के साधु-संतों द्वारा अमृत स्नान जारी है। मकर संक्रांति पर सबसे पहले श्री पंचायती अखाड़ा

महानिर्वाणी और श्री शंभू पंचायती अटल अखाड़ा ने अमृत स्नान किया। गौरतलब है कि पहला अमृत स्नान कई मायनों में खास है। यह सोमवार को पौष पूर्णिमा के अवसर पर संगम क्षेत्र में पहले बड़े स्नान के एक दिन बाद हुआ। गौरतलब है कि अमृत स्नान के दौरान 13 अखाड़ों के साधु त्रिवेणी संगम में पवित्र डुबकी लगाते हैं। महाकुंभ मेले का मुख्य आकर्षण अमृत स्नान को ही माना जाता है। इसमें सबसे पहले स्नान का अवसर नागा साधुओं को दिया जाता है, आइए जानते हैं कि आखिर ऐसा क्यों किया जाता है?

धार्मिक मान्यताओं की मानें तो जब देवता और असुर समुद्र मंथन से निकले अमृत कलश की रक्षा के लिए एक-दूसरे से संघर्ष कर रहे थे, तो अमृत की 4 बूंदें 4 जगहों (प्रयागराज, उज्जैन, हरिद्वार और नाशिक) पर गिर गईं। इसके बाद यहां महाकुंभ मेले की शुरुआत की गई। नागा साधु भोले बाबा के अनुयायी माने जाते हैं और वह इस स्नान को सबसे पहले करने के अधिकारी माने गए। तभी से यह परंपरा चली आ रही कि अमृत स्नान पर सबसे पहला हक नागा साधुओं का ही रहता है। नागा का स्नान, धर्म और आध्यत्मिक ऊर्जा का केंद्र माना जाता है।

सीएम योगी ने क्या कहा?: इस मौके पर सीएम योगी ने एक्स पर पोस्ट भी किया। उन्होंने कहा, %यह हमारी सनातन संस्कृति और आस्था का जीवंत स्वरूप है। आज लोक आस्था के महापर्व मकर संक्रांति के पावन अवसर पर महाकुम्भ-2025, प्रयागराज में त्रिवेणी संगम में प्रथम अमृत स्नान कर पुण्य अर्जित करने वाले सभी श्रद्धालु जनों का अभिनंदन!।%

संक्षिप्त समाचार

स्पेन बेंगलुरु में जल्द ही खोलेगा वाणिज्य दूतावास

मैड्रिड (एजेंसी)। भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा है कि स्पेन जल्द ही बेंगलुरु में एक वाणिज्य दूतावास खोलेगा। उन्होंने इसे दोनों देशों के बीच संबंधों को प्रगाढ़ करने के लिए एक %अच्छा संकेत% बताया। स्पेन की दो दिवसीय यात्रा पर आए जयशंकर ने यहां भारतीय समुदाय के साथ बातचीत के दौरान ये टिप्पणियां कीं। उन्होंने समुदाय के साथ बातचीत करते हुए कहा, ÷दोनों देशों की जनता के स्तर पर संबंधों के

संदर्भ में, मुझे उम्मीद है कि बार्सिलोना के लोग इस बात का स्वागत करेंगे कि हमारा वहां एक वाणिज्य दूतावास है। जल्द ही बेंगलुरु में स्पेन का एक वाणिज्य दूतावास होगा।÷ जयशंकर ने कहा, ÷ये अच्छे संकेत हैं कि हमारे रिश्ते गहरे हो रहे हैं और आप बड़ी-बड़ी संस्थाएं बना रहे हैं, क्योंकि आप कह सकते हैं कि व्यापार बढ़ रहा है। जैसे-जैसे रिश्ते प्रगाढ़ होते हैं, हमारे पास वाणिज्य दूतावास होना चाहिए और कौन जानता है कि भविष्य में हम कहां होंगे।÷ विदेश मंत्री ने कहा, ÷हमने तय किया है कि हम 2026 को दोहरे वर्ष के रूप में मनाएंगे। एक ऐसा दोहरा वर्ष, जिसमें हम दोनों देशों में संस्कृति, पर्यटन और कृत्रिम बुद्धिमत्ता का जश्न मनाएंगे। इसलिए 2025 तक हम 2026 की तैयारी के लिए कड़ी मेहनत करेंगे।÷

हमास ने गाजा सीजफायर और बंधकों को लेकर मसौदा समझौता किया स्वीकार

इजरायल (एजेंसी)। इजरायल और हमास के बीच जंग थम सकती है। दो अधिकारियों ने बताया है कि हमास ने गाजा संघर्ष विराम और बंधकों को लेकर मसौदा समझौता स्वीकार कर लिया है। इजरायल अभी भी समझौते पर विचार कर रहा है। अधिकारियों ने संघर्ष विराम को लेकर सोमवार को

भी इस बारे में जानकारी दी थी। तीन अधिकारियों ने संघर्ष विराम वार्ता में प्रगति को स्वीकार करते हुए कहा था कि आने वाले दिन 15 महीने से जारी युद्ध को समाप्त करने के लिहाज से अहम होंगे, जिसने पश्चिम एशिया को अस्थिर कर रखा है। अमेरिका, मिस्र और कतर ने पिछले साल 15 महीने से जारी युद्ध को समाप्त करने और हमास के 7 अक्टूबर, 2023 के हमले में बंधक बनाए गए दर्जनों लोगों की रिहाई सुनिश्चित करने के लिए मध्यस्थता करने की कोशिश की है। गाजा के अंदर अभी भी करीब 100 इजरायली बंधक हैं और सेना का मानना ??है कि उनमें से कम से कम एक तिहाई की मौत हो चुकी है। वार्ता से अवगत एक शख्स ने बताया था कि रातों रात सफलता मिली है और समझौते का एक प्रस्तावित मसौदा पेश किया गया है। शख्स ने कहा कि इजरायल और हमास के वार्ताकार अब इसे अंतिम मंजूरी के लिए अपने-अपने नेताओं के पास भेजेंगे।

दिल्ली के स्कूलों में बार-बार बम होने की सूचना देने वाले का खुलासा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस ने स्कूलों में बम होने की धमकी को लेकर बड़ा खुलासा किया है। स्पेशल सीपी लॉ एंड ऑर्डर मधुप तिवारी ने

बताया कि स्कूलों में लगातार बम होने की धमकी को लेकर मेल आ रहे थे। इन मेल्स को ट्रैक करने के लिए टीम बनाई गई थी। टेररिस्ट एक्टिविटी के एंगल से भी जांच की। ङ्क्क्ष के इस्तेमाल की वजह से लीड नहीं मिल रही थी। लास्ट कॉल को ट्रैक किया तो एक बच्चे के बारे में पता चला। स्पेशल सीपी लॉ एंड ऑर्डर ने कहा कि इस बच्चे के लैपटॉप से जांच में पता चला कि इसी ने 400 स्कूलों को मेल भेजा था। जांच में पता चला कि बच्चे के अभिभावक एक ह्लत्रह्र से जुड़े हैं और वो एक पॉलिटिकल पार्टी से भी जुड़े हैं। यह ह्लत्रह्र अफजल गुरु को भी सपोर्ट करता है। यह ह्लत्रह्र एक पार्टी को सोशल मीडिया पर सपोर्ट करती है। उन्होंने कहा कि अभी भी फॉरेंसिक जांच की जा रही है। पैरेंट्स के रोल की जांच की जा रही है।

पुलिस को शक है कि अलग-अलग दिनों पर भेजी गई धमकियों के पीछे इसका हाथ है। मधुप तिवारी ने बताया कि ये मेल 12 फरवरी 2024 से आने शुरू हुए थे। इन मेल ले कारण स्कूल डिस्टर्ब हो रहे थे। स्पेशल सीपी लॉ एंड ऑर्डर ने कहा कि इन मेल्स को ट्रैक करने में काफी टेक्निकल दिक्कतें आ रही थी। 8 जनवरी 2025 को आयी मेल को हमने ट्रैक किया और एक बच्चे को हम पकड़ पाए।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की पाकिस्तान को परिणाम भुगतने की चेतावनी

पीओके के बिना अधूरा है जम्मू-कश्मीर : रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह

अखनूर (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पीओके और पाकिस्तान को लेकर बड़ा बयान दिया है। 9वें सशस्त्र बल वयोवृद्ध दिवस कार्यक्रम में बोलते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि जम्मू और कश्मीर पीओके के बिना अधूरा है। पीओके पाकिस्तान के लिए एक विदेशी क्षेत्र से ज्यादा कुछ नहीं है। पीओके की भूमि इसका इस्तेमाल आतंकवाद का कारोबार चलाने के लिए किया जा रहा है। पीओके में आतंकवादी प्रशिक्षण शिविर चलाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में अपने आतंकवादी बुनियादी ढांचे को नष्ट करना होगा या परिणाम भुगतने के लिए तैयार रहना होगा।

जम्मू-कश्मीर के अखनूर में पूर्व सैनिकों को संबोधित करते हुए रक्षा मंत्री में कहा कि पाकिस्तान पीओके की जमीन का इस्तेमाल आतंकवाद को बढ़ावा देने के लिए कर रहा है। आज भी वहां आतंकी प्रशिक्षण शिविर चल रहे हैं। बॉर्डर के पास के इलाकों में लॉन्च पैड बनाए गए हैं और भारत सरकार को इस बारे में पुख्ता

जानकारी है और वह हालात से पूरी तरह वाकिफ हैं।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच 1965 में अखनूर में युद्ध लड़ा गया था। भारत पाकिस्तानी सेना के प्रयासों को विफल करने में सफल रहा। इतिहास में हुए सभी युद्धों में भारत ने हमेशा पाकिस्तान को हराया है। पाकिस्तान 1965 से ही अवैध घुसपैठ और आतंकवाद को बढ़ावा दे रहा है। हमारे मुस्लिम भाइयों ने आतंकवाद के खिलाफ लड़ते हुए अपनी जान कुर्बान की है। आज भी उससे ज्यादा भारत में प्रवेश करने वाले 80त्न आतंकवादी पाकिस्तान से हैं। सीमा पार आतंकवाद 1965 में ही समाप्त हो गया होता, लेकिन तत्कालीन केंद्र सरकार युद्ध में प्राप्त सामरिक लाभ को रणनीतिक लाभ में बदलने में असमर्थ रही। राजनाथ सिंह ने कहा कि हमारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता कश्मीर और देश के बाकी हिस्सों के बीच जो भी अंतर है उसे पाटना है।

दिल्ली वक्फ बोर्ड ने इमामों को दी सैलरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में इमामों के वेतन के मामले ने राजनैतिक तूल पकड़ा हुआ है। कई बार इमाम पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के घर के बाहर प्रदर्शन कर चुके हैं। इस बीच दिल्ली वक्फ बोर्ड ने इमामों की सैलरी जारी कर दी है। बोर्ड ने अभी 6 महीनों की सैलरी जारी की है। बता दें कि 17 महीनों की सैलरी रुकी हुई थी। बोर्ड का कहना है कि जल्दी बचे हुए महीनों की भी सैलरी जारी की जाएगी। दिल्ली वक्फ बोर्ड के इमाम और मुअज्जिन मिलाकर करीब 240 लोग हैं जिनकी तनख्वाह दिल्ली वक्फ बोर्ड देता है जो दिल्ली सरकार के अंतर्गत आता है। पिछले 17 महीनों से इमामों को यह तनख्वाह नहीं मिली थी। अब इस मुद्दे के समाधान की दिशा में कदम बढ़ाए गए हैं और उम्मीद जताई जा रही है कि जल्दी ही बाकी महीनों का भी भुगतान किया जाएगा। शुरुआत में दिल्ली में इमाम की सैलरी 10 हजार रुपये और मोअज्जिन की सैलरी 9 हजार रुपये थी। फिर अरविंद केजरीवाल ने मुख्यमंत्री रहते इमामों की सैलरी में बढ़ोतरी की।

5 फरवरी अरविंद केजरीवाल को अलविदा कहने का दिन है

मनोज तिवारी ने अरविंद केजरीवाल पर साधा निशाना

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। , दिल्ली में विधानसभा चुनाव के तारीखों की घोषणा हो चुकी है। 5 फरवरी को मतदान एक चरण में किया जाएगा। वहीं चुनाव का परिणाम 8 फरवरी को घोषित किया जाएगा। इस बीच भाजपा, आम आदमी पार्टी और कांग्रेस आमने सामने आ चुकी हैं। इतना ही नहीं दिल्ली में कांग्रेस और आम आदमी पार्टी दोनों अलग-अलग चुनाव लड़ रही हैं, जबकि दोनों ही दल इंडिया गंठबंधन की पार्टियां हैं। ऐसे में अब आप नेताओं ने और कांग्रेस नेताओं ने एक दूसरे के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। वहीं भाजपा भी इस दौड़ में पीछे नहीं है। इस बीच भाजपा नेता मनोज तिवारी ने बयान अरविंद केजरीवाल और कांग्रेस को लेकर बयान दिया है। भाजपा सांसद मनोज तिवारी ने कहा, ÷दिल्ली ने अरविंद केजरीवाल को 3 बार वोट दिया है। अरविंद केजरीवाल ने शपथ ली थी कि मैं किसी पार्टी के साथ हाथ नहीं मिलाऊंगा, लेकिन दुनिया ने देखा है कि,क्कने कांग्रेस के साथ हाथ मिलाया था। 2015 से 2020 तक इन्होंने बुजुर्गों की

पेंशन बंद कर दी, गरीबों के राशन कार्ड बनने बंद हो गए। दिल्ली की हवाएं इतनी प्रदूषित हो गई कि लोगों की उम्र घटने लगी। अरविंद केजरीवाल सभी वादें भूल गए। दिल्ली अरविंद केजरीवाल के भ्रष्टाचारी चेहरे को पहचान चुकी है। हम दिल्ली के झुग्गी वालों को पक्का घर, कच्ची कॉलोनियों को अच्छी गलियां बनाकर देंगे। 5 फरवरी अरविंद केजरीवाल को अलविदा कहने का दिन है।÷

पीएम मोदी ने शुरू किया 'मिशन मौसम'

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के 150वें स्थापना दिवस पर

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (द्बरूष्ठ) के 150वें स्थापना दिवस के अवसर पर %मिशन मौसम% की शुरुआत की। यह मिशन भारत को मौसम और जलवायु परिवर्तन के अनुकूल और स्मार्ट राष्ट्र बनाने के उद्देश्य से शुरू किया गया है। प्रधानमंत्री ने इस मौके पर भारत मंडपम, राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में आयोजित एक भव्य समारोह में शिरकत की और आईएमडी द्वारा जारी किए गए एक स्मारक सिक्के का विमोचन किया। साथ ही, मौसम संबंधी अनुकूलता और जलवायु परिवर्तन शमन के लिए आईएमडी विजन-2047 दस्तावेज भी जारी किया, जिसमें मौसम पूर्वानुमान, मौसम प्रबंधन और जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने के लिए विभिन्न योजनाओं का जिक्र किया गया है। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में कहा, ÷आज हम भारतीय मौसम विभाग के 150 वर्ष के इस ऐतिहासिक अवसर पर एक नई दिशा की शुरुआत कर रहे हैं। यह केवल आईएमडी की यात्रा नहीं है, बल्कि यह भारत

में आधुनिक विज्ञान और प्रौद्योगिकी की यात्रा का प्रतीक भी है।÷ उन्होंने कहा कि आईएमडी ने न केवल करोड़ों भारतीयों की सेवा की है, बल्कि भारत की वैज्ञानिक यात्रा में भी अहम भूमिका निभाई है। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि पिछले 10 वर्षों में आईएमडी की अवसंरचना और प्रौद्योगिकी का अभूतपूर्व विस्तार हुआ है, जिससे भारत मौसम विज्ञान के क्षेत्र में अग्रणी बन सका है। प्रधानमंत्री ने %मिशन मौसम% के उद्देश्यों को स्पष्ट करते हुए कहा कि यह मिशन भारत के जलवायु संबंधी भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयारी और समाधान प्रदान करेगा। इसका उद्देश्य अत्याधुनिक मौसम निगरानी तकनीक और सिस्टम विकसित करना है, जिससे उच्च-रिजॉल्यूशन वायुमंडलीय अवलोकन, अगली पीढ़ी के रडार और उपग्रहों के माध्यम से मौसम संबंधी प्रक्रियाओं को समझने में मदद मिलेगी।

CISF की दो नई बटालियन को दी मंजूरी

2,000 से अधिक कर्मियों वाली दो नई बटालियन

नई दिल्ली (एजेंसी)। गृह मंत्रालय ने एयरपोर्ट और परमाणु ऊर्जा संयंत्रों जैसे महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों की सुरक्षा करने वाले केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (ष्टढ्ढस्न) के लिए 2,000 से अधिक कर्मियों वाली दो नई बटालियनों को मंजूरी दी है। नई बटालियन के गठन के साथ ही बल के कर्मियों की संख्या लगभग 2 लाख तक पहुंच जाएगी। यह फैसला न केवल ष्टढ्ढस्न की क्षमता को बढ़ाएगा, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा को और मजबूत करेगा। सीआईएसएफ के एक प्रवक्ता ने मंगलवार को कहा, ÷गृह मंत्रालय (ख्र) ने दो नई बटालियनों के निर्माण को मंजूरी देकर सीआईएसएफ के महत्वपूर्ण विस्तार को मंजूरी दे दी है।÷ उन्होंने कहा, ÷यह निर्णय, हाल ही में स्वीकृत महिला बटालियन के साथ मिलकर बल की क्षमता में वृद्धि करेगा, राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत करेगा और

2,000 से अधिक व्यक्तियों के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा करेगा।÷ प्रवक्ता ने बताया कि सोमवार को मंजूरी मिल गई है।

पिछले साल के अंत में बल के लिए एक महिला बटालियन को मंजूरी दी गई थी। बल के पास वर्तमान में 12 रिजर्व बटालियन हैं, जिनमें से प्रत्येक में 1,025 कर्मी हैं। नई बटालियन आंतरिक सुरक्षा से संबंधित तत्काल आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए प्रशिक्षित कर्मियों का एक पूल बनाकर सीआईएसएफ की ÷बढ़ती÷ मांगों को पूरा करने में भी महत्वपूर्ण होंगी। देश के 68 नागरिक हवाई अड्डों की सुरक्षा के अलावा, 1969 में गठित सीआईएसएफ परमाणु और एयरोस्पेस क्षेत्र में कई प्रतिष्ठानों और ताजमहल और लाल किले जैसे ऐतिहासिक स्मारकों को आतंकवाद-रोधी सुरक्षा प्रदान करता है।

लाडकी बहीण योजना को लेकर बड़ी खुशखबरी

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र की मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना में 2.43 करोड़ से अधिक महिलाओं के खाते में हर महीने डेढ़ हजार रुपये जमा किये जा रहे हैं। इस योजना को लेकर कई तरह की बातें की जा रही हैं। इस बीच, महाराष्ट्र सरकार में पूर्व मंत्री छगन भुजबल ने योजना पर बड़ा बयान दिया और कहा कि जो लोग योजना के नियमों में फिट नहीं बैठते हैं उन्हें स्वयं अपना नाम वापस ले लेना चाहिए। अन्यथा उनसे जुर्माने

के साथ-साथ पैसे की वसूल की जा सकती है। उन्होंने यह भी संकेत दिया है कि भविष्य में लाडली बहना योजना के नियम और सख्त होंगे। वहीं,लाडकी बहीण योजना को लेकर फैल रही अफवाहों पर महाराष्ट्र सरकार ने सफाई दी है और बड़ी बात कही है। मंत्री हसन मुश्रीफ ने इसे लेकर बड़ा बयान दिया है और कहा है कि जिन अपात्र महिलाओं ने अब तक इस योजना का लाभ लिया है उनसे पैसा वसूल नहीं किया जाएगा। अमीर घर की जो महिलाएं इस योजना का लाभ ले रही हैं वह खुद ही अपना नाम पीछे ले लें। इस योजना का अनुचित लाभ लेने वालों के खिलाफ अगर कोई शिकायत आती है तो उसकी जांच की जाएगी।

टी.बी. उन्मूलन 2025 के कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता मिले - राज्यपाल

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा है कि सरकार ने 2025 तक टी.बी. रोग के सम्पूर्ण उन्मूलन का लक्ष्य रखा है। टी.बी. एसोसिएशन, रोग अभियान के कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता से करें। टी.बी. के उपचार और जागरूकता से जुड़ी सभी गतिविधियां सतत् रूप से सघन स्तर पर की जानी चाहिए। राज्यपाल श्री पटेल ने एम.पी. स्टेट टी.बी. एसोसिएशन की बैठक में उक्त निर्देश दिए। उन्होंने टी.बी. उन्मूलन प्रयासों के लिए विवेकाधीन निधि से एसोसिएशन को 1 लाख रुपये प्रदाय किए हैं। बैठक में राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव श्री के.सी. गुप्ता भी मौजूद रहे।

राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि टी.बी. के उन्मूलन प्रयासों में जागरूकता सबसे ज़रूरी है। इसलिए दूरस्थ ग्रामीण अंचलों, झुग्गी बस्तियों, स्कूल और कॉलेजों में टी.बी. की जागरूकता गतिविधियों को लगातार जारी रखें। टी.बी. के इलाज के साथ ही मरीज़ों और उनके परिजनों की काउंसलिंग करें। उन्हें एडवाइज़री कार्ड भी प्रदान करें।

राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि एसोसिएशन, क्षेत्र के जन प्रतिनिधियों को टी.बी. उन्मूलन प्रयासों की जानकारी दें। उन्मूलन के प्रयासों में सांसद और विधायकगणों का सहयोग लें। उन्होंने कहा कि टी.बी. उन्मूलन के लिये की जागरूकता गतिविधियों का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाये। टी.बी. उन्मूलन प्रयासों में सहभागिता के लिए स्थानीय हुहृ और औद्योगिक संस्थाओं का भी सहयोग प्राप्त किया जाए। राज्यपाल श्री पटेल ने बैठक में टी.बी. मरीज उपचार प्रक्रिया, निःक्षय मित्र, पोषण आहार वितरण की विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने एसोसिएशन के प्रशिक्षण, प्रचार-प्रसार, स्वास्थ्य परीक्षण शिविर, अनुदान, आय-स्त्रोत, निर्माण कार्य आदि की समीक्षा की। पदाधिकारियों का मार्गदर्शन किया। बैठक में एसोसिएशन के चेयरमेन श्री जयराम सचदेवा और अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

प्रस्तावित 16वें वित्त आयोग की तैयारियों की करें समीक्षा - उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा ने सोमवार को मंत्रालय में आगामी 5 एवं 6 मार्च को प्रस्तावित 16वें वित्त आयोग के दौरे की तैयारियों की समीक्षा की। उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा को वित्त विभाग के अधिकारियों ने आयोग के दौरे की तैयारी की विस्तृत जानकारी दी। उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा ने निर्देशित किया कि बेहतर तैयारी करें, जिससे वित्त आयोग के समक्ष अपनी बात रखकर हम ज्यादा से ज्यादा बजट प्राप्त कर सकें। प्रस्तावित 16वें 5 सदस्यीय वित्त आयोग का दल आगामी 5 मार्च से भोपाल दौरे पर रहेगा। वित्त आयोग अभी तक 15 राज्यों को दौरा कर चुका है। प्रमुख सचिव वित्त श्री मनीष रस्तोगी ने बताया कि विभाग ने पिछले एक माह में 16वें वित्त आयोग के आने की तैयारी कर रहा है। उन्होंने उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा को बताया कि वित्त विभाग के सभी अधिकारी को मिनिट-टू-मिनिट की जिम्मदारी सौंपी गई है। इसके साथ ही संबंधित विभाग के उच्च अधिकारियों से समन्वय बनाकर प्रेंजेन्टेशन की तैयारी की जा रही है। इस अवसर पर सचिव वित्त श्री लोकेश कुमार जाटव, संचालक बजट सुश्री तन्वी सुन्द्रियाल सहित वित्त विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

भोपाल निगम में अपर आयुक्त को ग्वालियर भेजा

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। भोपाल नगर निगम के बीजेपी और कांग्रेस पार्षदों ने जिस आईएएस के खिलाफ मीटिंग में निंदा प्रस्ताव पास किया, उसे सरकार ने हटा दिया है। अपर आयुक्त निधि सिंह को सरकार ने संयुक्त आयुक्त भू-अभिलेख एवं बंदोबस्त ग्वालियर बनाया है। मंगलवार को सिंह का सिंगल आदेश जारी हुआ। नगर निगम परिषद की मीटिंग 13 दिसंबर को हुई थी। इसमें अपर आयुक्त सिंह के खिलाफ निंदा प्रस्ताव पेश किया गया था। बैठक में उनके खिलाफ विपक्ष और सत्ता पक्ष ने काम में लापरवाही, जनप्रतिनिधियों की बात नहीं सुनने, मोबाइल कॉल नहीं उठाने और फाइलें अटकाने की शिकायतें की थी। इसके चलते परिषद की बैठक में उनके खिलाफ निंदा प्रस्ताव पारित किया गया था। निधि सिंह 2019 बैच की आईएएस हैं। निगम कमिश्नर के बाद सीनियरटी में वे ही आगे थी। उन पर आरोप है कि वे बीजेपी और कांग्रेस पार्षदों को ज्यादा तवज्जो नहीं देती थीं। आईएएस सिंह के पास (भोपाल सिटी लिंक लिमिटेड), जल कार्य, राजस्व, संपत्ति कर, जनसंपर्क जैसे कई प्रमुख विभागों की जिम्मेदारी है। उनके हटने के बाद अब ये विभाग अन्य अपर आयुक्तों को दिए जाएंगे।

जीटी और समता एक्सप्रेस के शेड्यूल में बदलाव

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए रेल प्रशासन ने भोपाल से गुजरने वाली दो प्रमुख ट्रेनों के ठहराव में परिवर्तन किया है। अब भोपाल मंडल से गुजरने वाली गाड़ी संख्या 12615/16 चेन्नई एग्मोर-नई दिल्ली जीटी एक्सप्रेस और गाड़ी संख्या 12807/08 विशाखपट्टनम-हजरत निजामुद्दीन समता एक्सप्रेस का ठहराव राजा की मंडी स्टेशन के स्थान पर बिल्लोचपुरा स्टेशन पर किया जाएगा। 16 मार्च से ट्रेन संख्या 12807 विशाखपट्टनम-हजरत निजामुद्दीन समता एक्सप्रेस बिल्लोचपुरा स्टेशन पर दोपहर 3ः14 बजे आएगी और 3ः16 बजे प्रस्थान करेगी। 15 मार्च से ट्रेन संख्या 12808 हजरत निजामुद्दीन-विशाखपट्टनम समता एक्सप्रेस बिल्लोचपुरा स्टेशन पर 08ः55 बजे आएगी और 08ः57 बजे प्रस्थान करेगी।

मंत्री श्री चौहान ने छात्राओं को साइकिल वितरित की

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। अनुसूचित जाति कल्याण मंत्री श्री नागर सिंह चौहान ने सोमवार को आलीराजपुर जिले के उदयगढ़ स्थित शासकीय मॉडल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने कस्तूरबा गांधी बालिका छात्रावास एवं विद्यालय की छात्राओं को साइकिल वितरित की। मंत्री श्री चौहान ने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि दूरदराज के क्षेत्रों से आने वाली छात्राओं को शिक्षा में किसी प्रकार की बाधा का सामना न करना पड़े।

इसके तहत, 3 किमी से अधिक दूरी तय करने वाली छात्राओं को साइकिल प्रदान की जा रही है। उन्होंने बताया कि विगत माह में जिले में 8 हजार से अधिक छात्राओं को साइकिल वितरित की गई हैं।

गुणवत्ता एवं कार्यकुशलता सुनिश्चित करने के लिये सतत् प्रशिक्षण आवश्यक-मंत्री श्री सिंह

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह ने निर्माण कार्यों में गुणवत्ता और कार्य कुशलता को बढ़ाने के लिए विभागीय इंजीनियर्स के नियमित प्रशिक्षण को आवश्यक बताया। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण कार्यक्रम दक्षता बढ़ाने के साथ कार्य क्षमता में भी वृद्धि करते हैं।

मंत्री श्री सिंह ने 17 जनवरी को प्रदेश के सभी संभागों में एक साथ आयोजित की जा रही सड़क, भवन और पुल निर्माण में गुणवत्ता नियंत्रण और परियोजना प्रबंधन विषय पर कार्यशाला की तैयारियों की निर्माण भवन में समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को आयोजन की रूपरेखा और

क्रियान्वयन संबंधी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मंत्री श्री सिंह ने कहा कि विकसित प्रदेश से विकसित भारत की परिकल्पना को साकार करने में इंजीनियर्स की भूमिका महत्वपूर्ण है। इंजीनियर्स का समय-समय पर प्रशिक्षण आयोजित कर उन्हें नवीन निर्माण तकनीकों सहित समसामयिक विषयों से प्रशिक्षित किया जाना आवश्यक है। मंत्री श्री सिंह ने कहा, हमें गर्व के साथ यह कहना चाहिए कि 'यह निर्माण हमने किया है'। उन्होंने अधिकारियों और इंजीनियर्स से कहा कि लोक निर्माण से लोक कल्याण की भावना को मूर्त रूप देने का यह सुनहरा अवसर है, जिसे पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ पूरा किया जाना चाहिए। मंत्री श्री सिंह ने बताया कि प्रदेश स्तरीय कार्यशाला का उद्देश्य निर्माण कार्यों की गुणवत्ता, नियोजन और प्रबंधन को बेहतर बनाना है। इससे लोक निर्माण विभाग की कार्य प्रणाली और अधिक प्रभावशाली होगी। बैठक में मंत्री श्री सिंह ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रशिक्षण कार्यशाला संबंधी सभी तैयारियां समय पर पूरी की जाएं।

मंत्री श्री चौहान ने ट्राइबल ग्लोबल फेस्ट की प्रतियोगिताओं में विनर बहनों को दी बधाई

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। अनुसूचित जाति कल्याण मंत्री श्री नागर सिंह चौहान ने उडीसा के भुवनेश्वर में आयोजित ट्राइबल ग्लोबल फेस्ट में आयोजित ट्राइबल क्वीन इंडिया प्रतियोगिता में बेस्ट प्रेजेंटेशन ऑफ ट्राइब कल्चर विनर गीता भूरिया मंडोड एवं फर्स्ट रनर रिंकी भाबर को बधाई एवं शुभकामनाएं दी है।

मंत्री श्री चौहान ने कहा कि दोनों बहनों की उत्कृष्ट उपलब्धि पर पूरा प्रदेश गौरान्वित महसूस कर रहा है। उन्होंने कहा कि झाबुआ जिले की कला और संस्कति की अनमोल विरासत को पूरे देश में पहचान दिलाने में दोनों बहनों का प्रयास हम सभी को प्रेरित करता है।

उल्लेखनीय है कि रमा देवी महिला विश्वविद्यालय भुवनेश्वर उड़ीसा में आयोजित ट्राइबल ग्लोबल फेस्ट में पूरे देश से अनुसूचित जनजाति समुदायों के प्रतिभागियों ने भाग लिया। झाबुआ जिले की गीता भूरिया मंडोड ने ट्राइबल क्वीन इंडिया प्रतियोगिता में जिले की कला और संस्कृति को गर्व के साथ प्रस्तुत किया था। इस अद्भुत प्रयास के लिए गीता बहन को बेस्ट प्रेजेंटेशन ऑफ ट्राइब कल्चर विनर का खिताब प्राप्त हुआ।

अरबी और उर्दू भाषा के प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रारंभ, 28 फरवरी तक किये जा सकेंगे आवेदन

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मध्यप्रदेश उर्दू अकादमी (संस्कृति परिषद) की निगरानी में संचालित राष्ट्रीय उर्दू भाषा एवं विकास परिषद नई दिल्ली के अरबी एवं फारसी (पर्शियन) भाषा के एक वर्षीय प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम और उर्दू डिप्लोमा कोर्स में प्रवेश प्रारम्भ हो गये हैं। अरबी, फारसी और उर्दू भाषा सीखने के इच्छुक अभ्यर्थी पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए आवेदन 28 फरवरी, 2025 तक कर सकते हैं। मध्यप्रदेश उर्दू अकादमी के निदेशक डॉ. नुसरत मेहदी ने बताया कि प्रवेश के लिए आवेदन पत्र मध्यप्रदेश उर्दू अकादमी के कार्यालय, मुल्ला रमूजी संस्कृति भवन, बाणगंगा रोड, भोपाल से कार्यालयीन समय में प्राप्त एवं जमा किये जा सकते हैं। पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आवेदन पत्र सीमित संख्या में ही उपलब्ध हैं, प्रवेश पत्र समाप्त होने की स्थिति में उसकी छाया प्रति के साथ साथ आवेदन स्वीकार नहीं की जायेंगे। उन्होंने बताया कि पाठ्यक्रमों की कक्षायें 01 अप्रैल, 2025 से आवश्यक रूप से प्रारंभ हो जायेंगी। निदेशक डॉ. मेहदी बताया है कि अरबी पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिये उर्दू एवं अंग्रेज़ी की प्रारंभिक शिक्षा के अतिरिक्त उर्दू लिखने और समझने का ज्ञान भी आवश्यक है। इसी तरह फारसी पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिये उर्दू एवं अंग्रेजी लिखने और पढ़ने का ज्ञान आवश्यक है। उर्दू डिप्लोमा पाठ्यक्रम के लिये हिन्दी या अंग्रेजी का ज्ञान आवश्यक है। तीनों पाठयक्रमों में अधिकत आयु की कोई सीमा निर्धारित नहीं की गई है। उन्होंने बताया कि प्रवेश आवेदन पत्र के लिये प्रति पाठ्यक्रम 200 रुपए पंजीयन शुल्क जमा कराना होगा, इसके अतिरिक्त अन्य कोई शुल्क देय नहीं है।

50 बिस्तरीय सिविल अस्पताल बनना प्रशंसनीय है- मंत्री पटेल

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। पंचायत एवं ग्रामीण विकास व श्रम मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल ने नरसिंहपुर जिले के करेली में 10 करोड़ रुपये की लागत से नव-निर्मित 50 बिस्तरीय सिविल अस्पताल का लोकार्पण किया। यह नवीन अस्पताल भवन सनातनी मंदिर समिति करेली द्वारा प्रदत्त दो एकड़ की भूमि में बनाया गया है। कार्यक्रम के दौरान टीबी के मरीजों को फूड बास्केट का भी वितरण किया। मंत्री श्री पटेल ने इस दौरान नव-निर्मित अस्पताल का निरीक्षण भी किया।

मंत्री श्री पटेल ने कहा कि चिकित्सा सुविधा की बात होती है, तो हमें अतीत और भविष्य के बारे में भी सोचना चाहिये। चिकित्सा क्षेत्र में दिन प्रतिदिन जरूरतें बढ़ती जा रही हैं। उन्होंने कहा कि करेली शहर सनातनी धर्मादा ट्रस्ट राम मंदिर समिति करेली द्वारा दो एकड़ की भूमि अस्पताल के लिए देकर सामाजिक उत्तरदायित्वों का निर्वहन किया है। इस भूमि पर 50 बिस्तरीय सिविल अस्पताल बन जाना वास्तव में अनुकरणीय है। उन्होंने कहा कि करेली नगर सामाजिक सरोकारों के लिए जागरूक नगर है।

मंत्री श्री पटेल ने कहा कि जिले को टीबी मुक्त करने का संकल्प लेना होगा। टीबी की बीमारी से डरने की ज़रूरत नहीं है। भारत सरकार ने टीबी मुक्त भारत का संकल्प लिया है। हम सबको बिना डरे उस टीकाकरण का लाभ लेना चाहिये। उन्होंने कहा कि गरीब, अमीर, स्वस्थ व्यक्ति और नशा नहीं करने वाला भी व्यक्ति कहीं न कहीं टीबी का शिकार हो सकता है। इसलिए टीबी की जांच करायें और इसका टीका लगवायें, इसमें कोई दिक्कत नहीं है। हमें इस कदम में आगे बढ़ना चाहिये।

मंत्री श्री पटेल ने कहा है कि हमारे सामने दूसरी चुनौती, नौजवानों की नशे की लत है। हम सभी को इसकी चिंता करनी चाहिये। नशे के ख़िलाफ़ जागरूक होने के लिए हमें एकजुट होने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि नशे के विरोध में और नशा मुक्ति के समर्थन में है, उन सामाजिक, राजनैतिक और तमाम लोगों को मिलकर जिले को नशा मुक्त बनाना होगा।

सांसद की आपत्ति से अटकेगा 500 करोड़ का प्रोजेक्ट

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। भोपाल के कलेक्टोरेट और कमिश्नर ऑफिस को प्रोफेसर कॉलोनी में शिफ्ट करने के प्रोजेक्ट पर सांसद आलोक शर्मा की ऐसे समय पर आपत्ति आई है, जब सभी प्लान बन चुके हैं। ऐसे में करीब 500 करोड़ रुपए लागत का यह प्रोजेक्ट अब अटक सकता है। अफसरों ने भी शिफ्टिंग की प्रक्रिया फिलहाल रोक दी है। सांसद इस मुद्दे पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से भी मिलने की बात कह चुके हैं।

बता दें कि, प्रोफेसर कॉलोनी में 6 मंजिला बिल्डिंग बनेगी। जहां पर कलेक्टर और कमिश्नर ऑफिस शिफ्ट होंगे। करीब तीन महीने पहले नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) ने प्रोफेसर कॉलोनी और कलेक्टोरेट कैंपस रीडेंसीफिकेशन प्रोजेक्ट को हरी झंडी दी थी। इसके बाद सरकारी दफ्तर कहां लगेंगे? इसे लेकर भी प्लान भी बन चुके हैं, लेकिन शिफ्टिंग से

पहले ही सांसद शर्मा का इस मामले में बयान आ गया। पुराने भोपाल से सारे सरकारी ऑफिस जा रहे हैं। नगर निगम और आरटीओ पहले ही जा चुके हैं। पुराने भोपाल की जनता मेरे पास आ रही है। उनका कहना है कि अब कलेक्टर ऑफिस नहीं जाना चाहिए। इस बारे में कलेक्टर से चर्चा की है। इस मामले में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से भी मिलूंगा। बता दें कि करीब दो साल पहले हाउसिंग बोर्ड ने यह प्रोजेक्ट बनाया था, लेकिन भोपाल सिटीजंस फोरम ने इलाके में पेड़ काटने और छोटे तालाब से 50 मीटर के दायरे में निर्माण को लेकर एनजीटी में याचिका दायर की थी। इसी मामले में हरी झंडी मिली। सुनवाई के दौरान हाउसिंग बोर्ड ने बताया था कि प्लानिंग इस तरह से की गई है कि ज्यादातर पेड़ बचाए गए हैं। यह तालाब से 60 से 150 मीटर दूर बनेगा। यह प्रोजेक्ट प्रोफेसर कॉलोनी में लगभग 13 एकड़ में प्रस्तावित है। हाउसिंग बोर्ड के अफसरों ने संशोधित प्रोजेक्ट का पावर पाइंट प्रेजेंटेशन कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह को भी दिखाया था। प्रोजेक्ट करीब 500 करोड़ रुपए का है। इसके जल्द टेंडर प्रोसेस करने की बात भी अफसरों ने कही। इसके बाद वहां के मकान और सरकारी दफ्तरों को तोड़ने की प्रक्रिया शुरू होगी।

भोपाल के वन विहार में दिखेंगे एशियाई शेर, 21 दिन का वारेंटाइन पूरा,

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। गुजरात के जूनागढ़ से एशियाई शेरों का जोड़ा 21 दिसंबर को भोपाल लाया गया था। उन्होंने 5 दिन में 1000ब्द्व का सफर तय किया था। इसके बाद इन्हें 21 दिन तक क्वारेंटाइन रखा गया था। 11 जनवरी को यह अवधि पूरी हो गई। अब इन्हें दीदार के लिए बाड़े में छोड़े जाने का प्लान है।

वन विहार के डिप्टी डायरेक्टर एसके सिन्हा ने बताया, दोनों शेरों को बाड़े में अलग-अलग रखा गया है। डॉक्टरों की टीम उनकी निगरानी कर रही है। डॉक्टरों के ओके के बाद शेरों के दीदार लोग कर सकेंगे।

बता दें कि नर और मादा शेर की उम्र करीब 3 साल है। पहले दिन पिंजरा खुलते ही शेरों ने अपने बाड़े में छलांग लगा दी थी। हालांकि, पहले वे थोड़े डरे-सहमे नजर आए थे लेकिन फिर इधर-उधर मंडराने लगे।

खाने के लिए उन्हें मीट भी दिया गया। इसके बाद वे माहौल में ढल गए हैं।

वन विहार का 9 सदस्यीय दल 17 दिसंबर को जूनागढ़ के सक्करबाग चिड़ियाघर में शेर को लेने पहुंचे थे, जो 21 दिसंबर की शाम को भोपाल पहुंच गए थे। इस टीम में वन विहार के इकाई प्रभारी पर्यटन एव सहायक वन्यप्राणी चिकित्सक भी शामिल थे। वन विहार में पहले 3 शेर थे। जिनमें सत्या, गंगा और नदी शामिल हैं। नंदी और सत्या नंदन कानन चिड़ियाघर से लाए गए थे। अब 2 लॉयन और आ गए। इसके बाद यहां 2 नर और 3 मादा शेर हो गई है। गुजरात ने वन विहार नेशनल पार्क की बात 16 साल बाद मानी और चार साल के शेरों का जोड़ा दिया है। इसके बदले में बांधवगढ़ नेशनल पार्क से लाए गए बाघ बी-2 और बाघिन बंदनी सक्करबाग चिड़ियाघर भेजे हैं। इनकी उम्र क्रमशः 7 और 6 साल है। 2006 से गिर के शेर लाने के प्रयास चल रहे थे। केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण के निर्देश के बाद भी गुजरात वन विभाग व चिड़ियाघर प्रबंधन युवा बाघों के बदले बूढ़े शेर देने की पेशकश कर रहा था। वन विहार प्रबंधन ने इस प्रस्ताव को ठुकरा दिया था।

मप्र सरकार लगातार गिर से सिंह लाने का प्रयास कर रही थी। जूनागढ़ से आ रहे शेर के जोड़े से ब्रीडिंग प्रोग्राम को गति मिलेगी। वहीं मादा सिंह गंगा को नया साथी मिलेगा। वहीं इन-ब्रीडिंग से बचाने के लिए जूनागढ़ की मादा सिंह को नया साथी सत्या मिलेगा।

मकर संक्रांति मेले में कड़ी सुरक्षा, एसपी-कलेक्टर ने किया मेला स्थलों का निरीक्षण, फायर ब्रिगेड और एंबुलेंस तैनात

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सीधी जिले में मकर संक्रांति मेले को लेकर प्रशासन ने कड़े सुरक्षा इंतजाम किए हैं। मंगलवार को एसपी और अपर कलेक्टर ने सोन नदी के भवरसेन घाट सहित प्रमुख मेला स्थलों का दौरा कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। सुबह 10 बजे और दोपहर 2 बजे भवरसेन घाट और गऊघाट पर विशेष निरीक्षण किया गया। रामपुर नैकिन थाना प्रभारी निरीक्षक सुधांशु तिवारी भी इस दौरान मौजूद रहे।

अपर कलेक्टर अंशुमान राज ने बताया कि मेले में किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए व्यापक प्रबंध किए गए हैं। सभी मेला स्थलों पर पुलिस बल की तैनाती के साथ-साथ आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए फायर ब्रिगेड और एंबुलेंस की व्यवस्था की गई है।

प्रशासन ने सभी तहसीलदारों को विशेष जिम्मेदारियां सौंपी हैं और उनसे लगातार संपर्क बनाए रखा जा रहा है। छोटे मेला स्थलों की निगरानी के लिए पटवारी और आरआई को नियुक्त किया गया है।

सड़क किनारे मिला अज्ञात युवक का शव

गोपालपुर में मिली लाश की पुलिस ने आसपास के थानों में भेजी तस्वीर

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। बुढार थाना क्षेत्र के गोपालपुर में एक अज्ञात युवक का शव सड़क किनारे मिला। पुलिस के अनुसार मृतक की उम्र करीब 35-40 वर्ष है और उसके शरीर पर कोई चोट के निशान नहीं मिले हैं। सबसे रहस्यमय बात यह है कि मृतक के हाथ की मुट्ठी बंद थी।

थाना प्रभारी संजय जायसवाल ने पुलिस टीम के साथ मौके पर निरीक्षण किया। जांच में पता चला कि मृतक के पास से कोई पहचान पत्र या अन्य दस्तावेज नहीं है। पुलिस ने तुरंत शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया।

युवक की पहचान के लिए पुलिस ने आसपास के थानों और जिलों में मृतक की तस्वीर भेजी गई है। लापता व्यक्तियों की रिपोर्ट से मिलान किया जा रहा है। पुलिस सोशल मीडिया पर भी मृतक की फोटो वायरल कर रहे हैं।

थाना प्रभारी ने बताया कि मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी गई है। मौत के कारणों का पता लगाने के लिए पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है। पुलिस को उम्मीद है कि जल्द ही मृतक की पहचान हो जाएगी और मामले का खुलासा हो सकेगा।

63 लीटर अवैध शराब जब्त

स्कूटी से तस्करी कर रहा व्यक्ति गिरफ्तार, 1 लाख रुपए का सामान पकड़ा

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर (निप्र)। छतरपुर सिविल लाइन थाना पुलिस ने मंगलवार को एक शराब तस्कर को गिरफ्तार कर उसके पास से 63 लीटर अवैध शराब और एक स्कूटी जब्त की है। जब्त किए गए सामान की कुल कीमत लगभग 1 लाख रुपए है।

सिविल लाइन थाना प्रभारी बाल्मीकि चौबे के अनुसार, सोमवार रात को पुलिस टीम फोरलेन हाईवे स्थित गठेवरा प्रतीक्षालय के पास गश्त कर रही थी। प्रतीक्षालय के पीछे एक युवक स्कूटी पर बोरी रखे संदिग्ध अवस्था में मिला। जांच में बोरी से 350 क्वार्टर (63 लीटर) अवैध शराब बरामद हुई। पुलिस ने मौके पर संकट मोचन पहाड़ी छतरपुर निवासी अरबाज मंसूरी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

पूछताछ में सामने आया कि इस अवैध धंधे में पलोठा रोड छतरपुर निवासी सरफराज खान उर्फ भूरा लहसुन भी शामिल है। सरफराज के खिलाफ पहले से ही 14 आपराधिक मामले दर्ज हैं और वह फिलहाल फरार है। दोनों आरोपियों के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने अरबाज को न्यायालय में पेश किया, जबकि फरार आरोपी सरफराज की तलाश जारी है।

डिलीवरी के दौरान प्रसूता की तबीयत बिगड़ी

जिला अस्पताल में मौत, परिजनों ने डॉक्टर-नर्स पर लगाए लापरवाही के आरोप

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर (निप्र)। छतरपुर के हरपालपुर अस्पताल में सोमवार रात को एक 22 वर्षिय महिला की प्रसव के दौरान तबीयत बिगड़ गई। वहां से रात 12:30 बजे उसे एंबुलेंस से जिला अस्पताल रेफर किया गया। जहां इलाज के दौरान मंगलवार सुबह उसकी मौत हो गई। परिजनों ने डॉक्टर-नर्स पर लापरवाही का आरोप लगाया है। वहीं प्रदेश महासचिव कांग्रेस निधि चतुर्वेदी ने मामले में जांच की मांग की है।

जानकारी के अनुसार अमा गांव निवासी संध्या पति उमाशंकर राजपूत (22) को सोमवार दोपहर 3:30 बजे को पेट दर्द होने के बाद हरपालपुर के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती किया गया। इसके बाद रात 10 बजे उसकी डिलीवरी हुई, जिसमें महिला ने एक स्वस्थ बच्ची को जन्म दिया।

देर रात तबीयत बिगड़ने पर जिला अस्पताल रेफर: इसके बाद रात करीब 11 बजे उसकी हालत बिगड़ने लगी। वहां से उसे 12:30 बजे एंबुलेंस से जिला अस्पताल के लिए रेफर किया गया। रात करीब 1:30 बजे जिला अस्पताल लेकर पहुंचे जहां एक बोतल ब्लड चढ़ाया गया। इसके बाद मंगलवार सुबह 7 बजे इलाज के दौरान महिला की मौत हो गई।

महिला के पति उमाशंकर राजपूत ने आरोप लगाया कि डॉक्टरों की लापरवाही से उसकी पत्नी की मौत हुई है। हमने उसके लिए ब्लड भी दिया था, लेकिन डॉक्टर ने सही से देखरेख नहीं की, इस वजह से उसकी मौत हो गई। ससुर ठाकुरदास ने आरोप लगाया कि खून देने के आधे घंटे बाद बहू की मौत हो गई। हरपालपुर अस्पताल में नर्स ने लापरवाही की है, अगर टाइम पर रेफर कर देते, तो बहू की जान बच जाती।

प्रदेश कांग्रेस महासचिव बोलीं- हरपालपुर अस्पताल में बिगाड़ा केस: वहीं घटना की जानकारी लगने पर प्रदेश कांग्रेस महासचिव निधि चतुर्वेदी भी जिला अस्पताल पहुंची। उन्होंने बताया कि हरपालपुर अस्पताल में केस बिगाड़ा गया, उसके बाद जिला अस्पताल रेफर किया गया है। वहां पर डॉक्टर मौजूद नहीं था, अस्पताल की हालत भी खराब है।

उन्होंने कहा- "हरपालपुर में सिर्फ सिस्टर की ड्यूटी पर रहती है। इसके पहले भी एक ऐसा केस सामने आया था। वहीं सिस्टर का कहना है कि हमारे यहां गॉज पीस नहीं था, इसलिए कपड़ा लगाकर जिला अस्पताल भेजा। इस संबंध में अस्पताल प्रबंधन ने जांच कर कार्रवाई करने की बात कही है।"

स्कूल से डेढ़ लाख का सामान चुरा ले गए बदमाश

अनूपपुर के मुंडा में वारदात, इसके पहले भी यहां हो चुकी चोरी

मीडिया ऑडीटर, अनूपपुर (निप्र)। अनूपपुर जिले के मुंडा स्थित सरकारी हाई स्कूल में दूसरी बार चोरी हो गई। बदमाश यहां से सोमवार रात करीब डेढ़ लाख का सामान चुरा ले गए। मामले में जैतहरी थाना क्षेत्र की वेंकट नगर पुलिस चौकी में शिकायत की गई है। चौकी प्रभारी अमरलाल यादव ने टीम और डॉग स्क्वॉड के साथ मौके का निरीक्षण किया।

पुलिस के मुताबिक, मंगलवार सुबह जब स्कूल का भृत्य पहुंचा तो उसने गेट का टूटा ताला देखकर तुरंत प्रभारी प्राचार्य संतराम प्रजापति को सूचित किया। चोरों ने स्कूल से कंप्यूटर सेट, एलईडी टीवी, सीसीटीवी कैमरा, बायोमेट्रिक मशीन, एम्प्लीफायर, माइक सेट, इंडक्शन, 5 सीलिंग फैन, एक टैबलेट, लैमिनेटर मशीन और बिजली के उपकरण समेत कई सामान चुरा ले गए।

इस स्कूल में यह पहली चोरी नहीं है। इससे पहले भी यहां से सबमर्सिबल पंप, ट्यूबलाइट, बिजली के तार, गैस सिलेंडर और मध्याह्न भोजन के बर्तन चोरी हो चुके हैं। प्राचार्य ने बताया कि पिछली चोरी की शिकायत करने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं की गई, जिसके कारण चोरों के हौसले बुलंद हैं।

जुआ खेलते 7 लोग गिरफ्तार, ज्योराहा में खेत से 85 हजार नकद और कार समेत 3 लाख की संपत्ति जब्त

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर (निप्र)। छतरपुर पुलिस ने जुआ खेल रहे 7 लोगों को गिरफ्तार किया है। जुझारनगर पुलिस ने ज्योराहा के पास एक खेत में चल रहे जुए के अड्डे पर छापा मारा, जहां से 85 हजार 200 रुपए नकद, ताश की गड्डी और एक अल्टो कार समेत कुल 3 लाख रुपए की संपत्ति जब्त की।

जुझारनगर थाना प्रभारी राजेंद्र सिंह ने बताया कि सोमवार रात को सूचना मिली थी कि ज्योराहा के पास के खेत में जुआ खेला जा रहा है। पुलिस टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए मौके पर छापा मारा, जहां टॉर्च की रोशनी में लोग हार-जीत का दांव लगा रहे थे।

यह आरोपी गिरफ्तार: पकड़े गए आरोपियों में महोबा के भटीपुरा मोहल्ले के जाहिद खान, खजुराहो मंजूनगर के शेख मोहम्मद अशरफ, राजनगर के शहबाज खान और लवकुशनगर के रोहित अहिरवार, राजू कुशवाहा, मूलचंद यादव तथा अनुपम मिश्रा शामिल हैं। विशेष रूप से, आरोपी रोहित अहिरवार के खिलाफ पहले से ही मारपीट और जुआ सहित तीन आपराधिक मामले दर्ज हैं।

सभी आरोपियों के खिलाफ जुआ अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। साथ ही, क्षेत्र में शांति भंग और माहौल खराब करने के लिए भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की जा रही है।

जेसीबी की चपेट में आया 6 साल का बच्चा, मौत

मकान निर्माण के दौरान हुआ हादसा, ड्राइवर फरार, एक घंटे बाद मिला एम्बुलेंस

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर (निप्र)। छतरपुर के महाराजपुर में सोमवार की शाम 6 वर्षीय मासूम की जेसीबी की चपेट में आने से मौत हो गई। घटना मुखर्रा गांव की है। मकान निर्माण के लिए जेसीबी से खुदाई चल रहा था, इसी दौरान बच्चा उसके चपेट में आ गया।

मृतक आर्यन (6) पिता ब्रजेश विश्वकर्मा घर का इकलौता बेटा था। वह शाम को खेलते हुए जेसीबी के पास पहुंच गया। ड्राइवर को बच्चा नजर नहीं आया और जेसीबी का बैंकेट उसके शरीर से टकरा गया। घटना के बाद परिजनों ने तुरंत जेसीबी रोकी और बेहोश बच्चे को टटम के एक निजी डॉक्टर के पास ले गए।

एम्बुलेंस के इंतजाम में एक घंटा लगा: बच्चे की गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे जिला अस्पताल ले जाने का निर्णय लिया गया। परिजनों को एम्बुलेंस की व्यवस्था में करीब एक घंटे का समय लगा। बच्चे को रात 8:30 बजे जिला अस्पताल पहुंचे। जहां डॉक्टर आशुतोष चतुर्वेदी, डॉ. आनंद त्रिपाठी और डॉ. ऋषि द्विवेदी ने जांच कर बच्चे को मृत घोषित कर दिया।

हॉस्पिटल से फरार हुआ ड्राइवर: घटना में शामिल जेसीबी चालक अस्पताल तक परिवार के साथ आया, लेकिन बाद में मौके से फरार हो गया। महाराजपुर थाना प्रभारी प्रशांत सेन ने कहा कि मामले की जांच की जाएगी और आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। मृतक के परिवार में माता-पिता और एक बहन है।

बाघ ने किया 10 साल के बच्चे पर हमला

भाभी ने पत्थर मारकर बचाई जान, वन विभाग सर्चिंग में जुटा

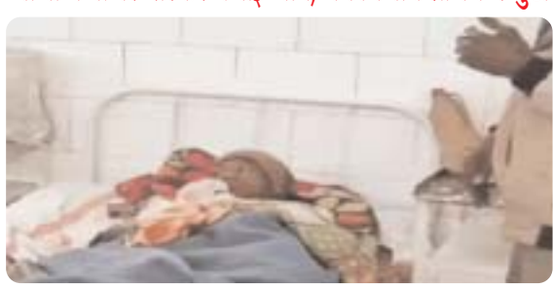

मीडिया ऑडीटर, पन्ना (निप्र)। पन्ना टाइगर रिजर्व से सटे गांव इटवांकला में बाघ का आतंक फैल गया है। सोमवार शाम को एक बाघ ने बकरी चरा रहे 10 वर्षीय आदिवासी बालक लोकेंद्र पर हमला कर दिया। बच्चे की भाभी की तत्परता से उसकी जान बच गई। भाभी ने चीख-पुकार के साथ बाघ पर पत्थर फेंककर उसे भगा दिया।

घटना के समय बच्चा जंगल में बकरियां चरा रहा था। जब झाड़ियों में छिपे बाघ ने अचानक उस पर हमला कर दिया। खून से लथपथ बच्चे को ग्रामीण उठाकर गांव लाया। वन विभाग की टीम तुरंत मौके पर पहुंची और घायल बच्चे को पन्ना जिला अस्पताल में भर्ती कराया। रेंजर रोहित पुरोहित के अनुसार, बच्चे के सीने और कमर में गंभीर चोटें आई हैं।

इसी क्षेत्र में बाघ ने एक बैल को भी घायल कर दिया, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वन विभाग की टीम घटनास्थल के आसपास तलाश कर रही है और हमलावर बाघ के पगचिह्नों की पहचान में जुटी है।

पन्ना टाइगर रिजर्व से बाघों का आबादी वाले क्षेत्रों में आना चिंताजनक स्थिति बन गई है। इटवांकला के ग्रामीण दहशत में हैं और सूर्यास्त के बाद घरों से बाहर नहीं निकल रहे हैं। वन विभाग से ग्रामीणों की सुरक्षा के लिए उचित कदम उठाने की मांग की जा रही है।

विभाग ने शुरू की सर्चिंग: रेंजर रोहित पुरोहित ने बताया कि सोमवार शाम की घटना है। घायल बालक को अस्पताल में भर्ती करवा दिया है। घटनास्थल के आसपास सर्चिंग की जा रही है। हमला करने वाले जानवर के पगमार्ग चिन्हित किए जा रहे हैं।

7 डिग्री पहुंचा न्यूनतम तापमान, स्कूलों का समय बदला, अगले 3 दिन और गिर सकता है पारा

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सीधी जिले में मंगलवार सुबह का तापमान गिरकर 7 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। यह पिछले 5 दिनों में सबसे कम तापमान है। सुबह से ही घने कोहरे की चादर छाई रही, जिससे सूरज के दर्शन तक नहीं हो पाए। इसके बावजूद श्रद्धालु मकर संक्रांति पर सोन नदी सहित आसपास की नदियों में स्नान के लिए पहुंच रहे हैं।

भाजपा ने जारी की नई जिलाध्यक्षों की सूची, बृजेंद्र मिश्रा फिर बने पन्ना के जिलाध्यक्ष

मीडिया ऑडीटर, पन्ना (निप्र)। मकर संक्रांति से एक दिन पहले भारतीय जनता पार्टी ने जिलाध्यक्षों की नई सूची जारी की, जिसमें पन्ना जिले के लिए बृजेंद्र मिश्रा 'डब्बू भैया' को दोबारा जिलाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। एक साल का कार्यकाल पूरा करने के बाद संगठन द्वारा कराई गई चुनाव प्रक्रिया में उन्हें फिर से यह जिम्मेदारी सौंपी गई है।

2008 में प्रदेश कार्यसमिति के सदस्य के रूप में योगदान: बृजेंद्र मिश्रा का राजनीतिक सफर काफी लंबा और प्रेरणादायक रहा है। उन्होंने 1993 से 1999 तक अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद में सक्रिय भूमिका निभाई। इसके बाद 1999 में वे भाजपा युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष बने। 2008 में उन्होंने भाजपा युवा मोर्चा की प्रदेश कार्यसमिति के सदस्य के रूप में कार्य किया। 2012 से 2015 तक उन्होंने पार्टी के जिला कार्यालय मंत्री का दायित्व निभाया और 2015 से 2024 तक जिला उपाध्यक्ष के रूप में योगदान दिया।

कार्यकर्ताओं ने जिला कार्यालय के सामने मनाया जश्न: संघ के सक्रिय कार्यकर्ता रहे मिश्रा की पुनर्नियुक्ति से कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल है। सोमवार देर रात सूची जारी होने के बाद कार्यकर्ताओं ने जिला कार्यालय के सामने जमकर जश्न मनाया, मिठाई बांटी और पटाखे फोड़े। उनकी नियुक्ति को लेकर कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर है।

19 जगह लगा मकर संक्रांति का मेला

विधायक और कलेक्टर ने की पतंगबाजी, गिल्ली-डंडा भी खेला

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। मकर संक्रांति पर सिंगरौली जिले में 19 अलग-अलग स्थानों पर मेला लगाया गया। मुख्य कार्यक्रम बैढ़न के एनसीएल ग्राउंड पर हुआ।

कार्यक्रम में सिंगरौली विधायक रामनिवास शाह, देवसर विधायक राजेंद्र मेश्राम और कलेक्टर चंद्रशेखर शुक्ला ने शिरकत की। विधायक शाह ने पतंग के लिए धागा संभाला तो कलेक्टर शुक्ला ने पतंग को उड़ाया। देवसर विधायक की पतंग को नगर निगम अध्यक्ष देवेश पांडे ने हवा दी।

कलेक्टर शुक्ला ने बताया कि जिले के सभी मेलों के लिए उचित व्यवस्थाएं की गई हैं। विधायक शाह ने कहा कि मकर संक्रांति से सूर्य मकर राशि में प्रवेश करता है और सामाजिक कार्यक्रमों की शुरुआत होती है। देवसर विधायक मेश्राम ने इस अवसर पर अपने बचपन की यादों को साझा किया।

कार्यक्रम में महापौर रानी अग्रवाल, भाजपा नेता पूनम गुप्ता, एमआईसी सदस्य खुर्शीद आलम सहित कई लोग मौजूद रहे। महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम में सभी ने पारंपरिक व्यंजन जैसे तिल के लड्डू, खिचड़ी और लाई का आनंद लिया। साथ ही गिल्ली-डंडा जैसे पारंपरिक खेलों ने भी लोगों को बचपन की यादों से रूबरू कराया।

मकर संक्रांति पर शहडोल में शुरू हुआ बाणगंगा मेला

सांसद हिमाद्री सिंह ने किया उद्घाटन, डिजिटल पेमेंट कर खरीदी सामग्री

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। शहडोल में मकर संक्रांति से सात दिवसीय बाणगंगा मेला शुरू हो गया है। सांसद हिमाद्री सिंह ने फीता काटकर और ध्वजारोहण कर मेले का उद्घाटन किया। आधुनिकता का संदेश देते हुए उन्होंने मेले में डिजिटल पेमेंट के माध्यम से कालीन, तिल के लड्डू और अचार जैसी वस्तुएं खरीदीं।

उद्घाटन समारोह में उन्होंने कहा कि आधुनिक युग में भी मेलों का आयोजन हमारी सांस्कृतिक विरासत को जीवंत रखने का काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि यह मेला केवल मनोरंजन का माध्यम ही नहीं, बल्कि सामाजिक समरसता को भी मजबूत करता है। उन्होंने भविष्य में मेले को और भव्य बनाने का संकल्प लिया।

विधायक मनीषा सिंह ने कहा कि दूर-दूर से लोग यहां उत्साह के साथ आते हैं। उन्होंने बताया कि मेले में सूर्य और नदियों की पूजा की परंपरा प्रकृति के प्रति लोगों की आस्था को दर्शाती है। जैतपुर विधायक जयसिंह मरावी और नगर पालिका अध्यक्ष घनश्याम जायसवाल ने भी कार्यक्रम में शिरकत की। समारोह में स्थानीय कलाकारों ने भजन-कीर्तन की प्रस्तुतियां दीं।

न्यूनतम तापमान 5 डिग्री दर्ज

विजिबिलिटी 10 मीटर से कम, हाईवे पर वाहनों की आवाजाही हुई प्रभावित

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। शहडोल जिले में मंगलवार की सुबह से मौसम ने करवट ले ली। जिले में घने कोहरे की सफेद चादर बिछी हुई है, और कड़ाके की ठंड ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित किया है। मकर संक्रांति की सुबह से ही छाए घने कोहरे के कारण दृश्यता (विजिबिलिटी) 10 मीटर से भी कम रह गई।

वाहन चालकों को हेडलाइट जलाकर चलना पड़ा: सुबह 9:30 बजे तक घना कोहरा छाया रहा, जिससे सड़कों पर आवागमन बाधित हुआ। वाहन चालकों को हेडलाइट जलाकर धीमी गति से वाहन चलाने पड़े। हाईवे पर भारी वाहनों की आवाजाही लगभग थम गई, और कई चालक अपने वाहनों को सड़क किनारे खड़ा कर कोहरे के छंटने का इंतजार करते नजर आए।

अलाव जलाकर ठंड से बचने का प्रयास: पिछले दिनों की तुलना में मंगलवार को तापमान में भारी गिरावट दर्ज की गई। जिले का न्यूनतम तापमान 5 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। ठंड के कारण लोग घरों में दुबके हुए हैं, जबकि कुछ ने अलाव जलाकर राहत पाने का प्रयास किया। कृषि वैज्ञानिक डॉ. मृगेंद्र सिंह ने चिंता व्यक्त की है कि अगर यह स्थिति लंबे समय तक बनी रही, तो फसलों को पाला लगने का खतरा है।

विचार

अनेकता में एकता का प्रतीक महाकुंभ

इस साल दुनिया का सबसे बड़ा मानवीय समागम का महाकुंभ पर्वोत्सव उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में गंगा, यमुना और अदृश्य त्रिवेणी के संगम पर 13 जनवरी से शुरू होकर 26 फरवरी तक चलेगा। अनेकता में एकता का जीता-जागता प्रतीक पर्व है कुंभ मेला। लोक-पर्व होकर यह मेला सहस्त्र वर्षों से जन-विश्वास का आधार बना रहा है। सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक चेतना से जुड़ा यह महाकुंभ पर्व, भारतीय सामाजिक-सांस्कृतिक अवधारणाओं का जीवन प्रतीक है। कुंभ पर्व, देश के समवेत सांस्कृतिक जीवन का व्यावहारिक उदाहरण है। इन्हीं पर्वों-मेलों ने हमारी भारतीयता (राष्ट्रीयता) को प्राणवान बनाए रखा है।

हजारों वर्षों से चली आ रही कुंभ पर्व की इस सांस्कृतिक विरासत को हमारे देश के मनीषी चिन्तकों, पुराणकारों ऋषि-मुनियों, दार्शनिकों, धर्माधिकारियों अथवा साधु-सन्तों ने लोकांचलों में निवास करने वाले पठित-अपठित साधारण जनों तक पहुंचाया है। इस पर्व भावना के पीछे जीवंत आस्था और निष्ठा भाव ही कार्यशील रहा है। भारत भूमि का यह खंड यदि पवित्र और महत्वपूर्ण है तो इसलिए कि वह बाकी विश्व से जोड़ता है, इसलिए नहीं कि वह उसे दूसरों से अलग करके भूगोल की राष्ट्रीय सीमाओं में बांध देता है। विश्वासों की इन मर्यादाओं के परिवेश में ही एक मानव समूह की जीवन धारा, उसकी लय और लौ रूपायित होती है। यह उसकी सांस्कृतिक चेतना का मुख्य प्रेरणा स्त्रोत भी है। यह भावना भारत को या भारतीय सभ्यता को आधुनिक दुनिया के राष्ट्रों और राज्य-तंत्रों से अलग कर देती है। इसलिए हमारी संस्कृति सभ्यता को गुलामी के कालखंड से नष्ट करने की तमाम कोशिशों के बावजूद हम ज्यूं के त्यूं खड़े हुए हैं। कुंभ या महाकुंभ जैसे पर्वोत्सव मेलों से भी हमें यह शक्ति प्राप्त होती रही है।

इस प्रकार शरीर रूपी घट में निहित अमृत तत्व की अनुभूति का विषय हो तो कुंभ-पर्व के रूप में अमृत पद प्राप्ति के लिए युग-युगों से भारतीय जन जीवन को आस्थाशील बनाए हुए है। कुंभ रूप इस लोक पर्व में भी 'मृत्यंर्मामृतं गमय' की कामना, मरणशील मानव के मन को उद्वेलित एवं प्रेरित करती रही है। वही प्रेरणा, अनादि स्त्रोत सलिला सरिताओं के तट की ओर, भारतीय मन को सदा से आप्लुषत करती रही है। निष्कर्ष रूप में कहें तो कह सकते हैं कि इन कुंभ पर्वों ने भौगोलिक ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक एकता बनाए रखकर राष्ट्रीय जीवन संदर्भों के प्रति जातीय अस्मिता को जागृत करने में अहम भूमिका निभाई है।

भीषण आग से अमेरिका ही नहीं, दुनिया सबक ले

ललित गर्ग

अमेरिका के लॉस एंजेलिस में जंगल की बेकाबू आग फेलने, भारी तबाही, महाविनाश और भारी जन-धन की क्षति ने साबित किया है कि दुनिया की नंबर एक महाशक्ति भी कुदरत के रौद्र के सामने बौनी ही साबित हुई है। न केवल अमेरिका के इतिहास में बल्कि दुनिया के इतिहास यह जंगल की आग सबसे भयावह, सर्वाधिक विनाशकारी एवं डरावनी साबित हुई है। आग धीमी होने का नाम नहीं ले रही है। बल्कि और तेजी से बढ़ती जा रही है और इसका कारण 160 किलोमीटर प्रति घंटे की रतार से चलने वाली हवाएं हैं। ये हवाएं इस आग को और भड़का रही हैं, तबाही का मंजर बन रही है, जिसे रोकना अमेरिका प्रशासन के लिए एक चुनौती बन गया है। अमेरिकी सेना के सी-130 विमान और फायर हेलीकॉप्टर हर संभव कोशिश कर रहे हैं। लेकिन हवा की गति और आग की लपटों की ताकत के आगे दुनिया की सबसे बड़ी ताकत के तमाम प्रयास नाकाफी एवं बेबस साबित हो रहे हैं।

अनियंत्रित विकास, पर्यावरण की घोर उपेक्षा एवं भौतिकतावादी सोच इस आग का बड़ा कारण है। खरबों रुपये की संपत्ति और प्राकृतिक संपदा के नष्ट होने के अलावा करीब दो लाख लोगों को विस्थापित होना पड़ा है। आलीशान बंगलों, सरकारी संरचना तथा नागरिक सुविधा के साधनों के स्वाह होने के साथ करीब 24 लोगों के मारे जाने की खबर है। करीब दो लाख लोगों को घर-बार छोड़कर जाने के लिये तैयार रहने को कहा गया है। अमेरिका संस्कृतिविहीन देश बनता जा रहा है- यह राष्ट्र भौतिक विकास, पर्यावरण उपेक्षा एवं शस्त्र संस्कृति पर सवार है। वहां के नागरिक अपने पास जितने चाहें, उतने भौतिक संसाधन रख सकते हैं। सुविधावादी जीवनशैली के शिखर एवं तमाम सुरक्षा परिस्थितियों में जीने के बावजूद यह देश आज कितना असहाय एवं बेबस है। विकास की बोली बोलने वाला, विकास की जमीन में खाद एवं पानी देने वाला, दुनिया में आधुनिकता, तकनीक एवं विकास की आंधी लाने वाला अमेरिका जब खुद ऐसी भीषण आग की तबाही का शिकार होने लगा तो उसकी नींद टूटी हैं, उसे अपनी असलियत का पता लगा।

दुनिया को सुरक्षा एवं विकास का आश्वासन देने वाला देश आज खुद अपनी रक्षा नहीं कर पा रहा है। वहां के आधुनिक तकनीक से लेस दमकल विभाग व सुरक्षा बलों की तमाम कोशिशों के बावजूद आग बेकाबू है। लोग असहाय होकर अपनी जीवन भर की पूंजी को स्वाह होते देख रहे हैं। जलवायु परिवर्तन के चलते तल्ख होते मौसम से हालात और खराब होने की आशंका जतायी जा रही है। आग के बाद का जो मंजर नजर आ रहा है उसे देखकर ऐसा लगता है मानो कोई बम गिराया गया हो। विडंबना यह है कि आपदा में अवसर तलाशने वाले कुछ लोग खाली कराये गए घरों में लूटपाट से भी बाज नहीं आ रहे हैं। हॉलीवुड हिल्स इलाके में करीब साढ़े पांच हजार से अधिक इमारतों के नष्ट होने की खबर है। कई नामी फिल्मी हस्तियों के घर, जैसे बिली क्रिस्टल, मैंडी मूर, जेमी ली कर्टिस और पेरिस हिल्टन शामिल हैं एवं व्यावसायिक इमारतें व सार्वजनिक संस्थान आग की भेंट चढ़े हैं। वहां की आस्थाएं एवं निष्ठाएं इतनी जख्मी हो गयी कि विश्वास जैसा सुरक्षा-कवच मनुष्य-मनुष्य के बीच रहा ही नहीं। साफ चेहरों के भीतर कौन कितना बदसूरत एवं उन्मादी मन समेटे है, कहना कठिन है। अमेरिका की विकास की होड़ एवं तकनीकीकरण की दौड़ पूरी मानव जाति को ऐसे कोने में धकेल रही है, जहां से लौटना मुश्किल हो गया है। ईश्वर की बनायी संरचना में दखल का ही परिणाम है कि प्रकृति इतना रौद्र एवं विध्वंसक रूप धारण किया है।

अमेरिका आज दुनिया में प्रकृति के दोहन, अपराध का सबसे बड़ा अड्डा है और हिंसा की जो संस्कृति उसने दुनिया में फैलाई, आज वह स्वयं उसका शिकार है। अमेरिका के इतिहास में यह जंगल की आग सबसे भयावह साबित हुई है। चिंता की बात यह है कि इलाके में हाल-फिलहाल बारिश होने की संभावना नहीं है, जिससे जंगल की आग जल्दी काबू में आ सकती। एक बड़े इलाके में बिजली आपूर्ति ठप होने व पानी की आपूर्ति में बाधा संकट को और बढ़ा रही है। लोगों की सुरक्षित स्थानों में जाने के लिये अफरा-तफरी से जगह-जगह ट्रैफिक जाम लग रहे हैं। पानी का दबाव कम होने से दमकल कर्मियों को आग बुझाने में परेशानी आ रही है। घोर अव्यवस्था एवं कुप्रशासन फेला है। दरअसल यह आग लॉस एंजेलिस के उत्तरी भाग में लगी, जिसने बाद में कई बड़े शहरों को अपनी चपेट में ले लिया। तेज हवाओं व सूखे मौसम के कारण आग ज्यादा भड़की है। सूखे पेड़-पौधे तेजी से आग की चपेट में आ गए। हालांकि, आग लगने का ठोस कारण अभी तक पता नहीं चला है। हकीकत है कि जंगलों में 95 फीसदी आग इंसानों द्वारा ही लगायी जाती है। वैसे जलवायु परिवर्तन प्रभावों के चलते बदले हालात में अब पूरे साल आग लगने की आशंका बनी रहती है।

अमेरिका दुनिया पर अपना एकछत्र शासन चाहता है। कनाडा, ग्रीनलैंड एवं पनामा को अमेरिका में शामिल करना चाहते हैं। मतलब सीधा सा है जिसकी लाठी उसकी भैंस यानी पावर और पैसे के बल पर खुद को बलवान और सुपरपावर मुल्क समझने वाला अमेरिका एक आग के आगे बेबस नजर आ रहा है। कैलिफोर्निया के दक्षिणी हिस्से में शुरू हुई इस जंगल की आग ने अब लॉस एंजेलिस जैसे बड़े शहर को राख बना दिया है। पैलिसेड्स में 20 हजार एकड़, ईटन में 14 हजार एकड़, कैनेथ में 1000 एकड़, हर्स्ट में 900 एकड़, लिडिआ में 500 एकड़ में आग फैली है। इन इलाके में राख के बारीक कणों व धुएं की चादर के कारण स्थानीय स्वास्थ्य इमरजेंसी घोषित की गई है। लोगों का जीवन इन सभी स्थानों पर दुर्भर हो गया है। लॉस एंजलिस की इस आग ने न केवल जीवन और संपत्ति को नुकसान पहुंचाया है, बल्कि सूखे और जलवायु परिवर्तन के प्रति गंभीर चेतावनी भी दी है। इससे निपटने के लिए दीर्घकालिक समाधान तलाशना बेहद जरूरी है।

आज अमेरिका विकास की चरम अवस्था पार कर चुका है। यह आशंका सदैव बनी रही है कि अनियंत्रित विकास एवं प्रकृति विनाश के प्रति समय रहते नहीं चेतने की कीमत सृष्टि के विनाश एवं मानवता के धंस से चुकानी होती है, धरती का पर्यावरण नष्ट हो जाता है। धरती पर मंडराते इसी संकट का प्रतीक है यह आग। बात बहुत ही सीधी सी है कि जब तक प्रकृति डराती नहीं विकास की राहें ऐसे ही बेतहाशा एवं अनियंत्रित आगे बढ़ती रहती हैं। किंतु जब प्रकृति मुस्कुराना भूल जाए तो वह विकास, विकास नहीं रहता। वहाँ कृत्रिमता दस्तक देने लगती है, धरती करवट बदलने लगती है, अम्बर चीत्कार कर उठता है तब मनुष्य को समझ लेना चाहिए कि अब विनाश की पदचाप सुनाई देने लगी हैं। अपनी राहें सुरक्षित रखने के वास्ते राहों को मोड़ने पर विचार करना चाहिए। ज़िद एवं अहंकार में बाज़ी पलट सकती है, वरना विनाश का दावानल अमेरिका की आग की तरह सब कुछ राख कर देता है।

'मन जो चाहे वही करो' की मानसिकता वहां पनपती है जहां ईश्वर की सत्ता एवं इंसानी रिश्तों के मूल्य समाप्त हो चुके होते हैं, ऐसी स्थिति में शक्तिशाली देश अपनी अनंत शक्तियों को भी बौना बना देता है। यह दकियानूसी ढंग है भीतर की अस्तव्यस्तता को प्रकट करने का। ऐसे देशों एवं लोगों के पास सही जीने का शिष्ट एवं अहिंसक सलीका नहीं होता। वक्त की पहचान नहीं होती। ऐसे लोगों में संतुलित विकास, शांतिपूर्ण सहजीवन, सृष्टि का संतुलन एवं सर्वोच्च ईश्वर सत्ता के प्रति सम्मान आदि का कोई खास ख्याल नहीं रहता। भौतिक सुख-सुविधाएं ही जीवन का अंतिम लक्ष्य बन जाता है। एक राष्ट्र मूल्यहीनता, प्रकृति उपेक्षा एवं अहंकारी सोच में कैसे शक्तिशाली बन सकता है? पक्षी भी एक विशेष मौसम में अपने घोंसले बदल लेते हैं। पर मनुष्य अपनी वृत्तियां नहीं बदलता। वह अपनी वृत्तियां तब बदलने को मजबूर होता है जब दुर्घटना, दुर्दिन या दुर्भाग्य का सामना होता है। अमेरिका की आग पक्षियों के इस संदेश को समझने व समय रहते जागने को कह रही है। इस आग से अमेरिका ही नहीं, समूची दुनिया को सबक लेने की जरूरत है।

त्रिवेणी तट पर सजा धर्म, संस्कृति, आस्था, आध्यात्म, व आधुनिकता का अद्भुत संगम

दीपक कुमार त्यागी

उत्तर प्रदेश के प्रयागराज की दिव्य धरती पर धर्म-संस्कृति व प्राचीन परंपराओं के अद्भुत संगम से परिपूर्ण दिव्य शहर गंगा यमुना व सरस्वती के संगम तट की रेती पर अब अपना स्वरूप पूरी तरह से ले चुका है। अपनी भव्यता के चलते ही आस्था, धर्म, आध्यात्म व संस्कृति के विशाल संगम का महाकुंभ शुरू होने से पहले ही जबरदस्त चर्चा में आ चुका है। क्योंकि संगम तट पर आधुनिक व प्राचीन के अद्भुत संगम की आस्था और अध्यात्म एक पूरी दुनिया प्रधानमंत्री मोदी व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में अपनी थीम के ही अनुरूप भव्य-दिव्य व नव्य आकार ले चुकी है। दिन-रात की मेहनत के बाद अब संगम तट की रेती पर बसी एक बड़ी अद्भुत भव्य अनोखी नगरी महाकुंभ के आयोजन के साक्षी बनने आ रहे संत-महात्माओं, श्रद्धालुओं व पर्यटकों का दिल खोलकर के स्वागत करने के लिए तैयार हो गयी है। संगम तट की पूजनीय दिव्य धरा पर संत, महात्माओं, श्रद्धालुओं व पर्यटकों के लिए एक ऐसा भव्य शहर तैयार हो चुका है, जिसको शिल्पकारों ने इस तरह से तराशा है कि धार्मिक आस्था व प्राचीन संस्कृति के साथ-साथ भौतिक सुख साधनों की कामना रखने वाले लोगों के लिए सुविधाएं उपलब्ध की गयी हैं, जिसकी भव्यता देखकर के देखने वाले की आंखें चौंधिया जायेंगी।

हालांकि इस प्राचीन धर्म नगरी प्रयागराज में वर्ष 2019 के कुंभ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में ही भव्य-दिव्य आयोजन 3200 हेक्टेयर के विशाल क्षेत्र में हुआ था। लेकिन वर्ष 2025 में एकबार फिर से महाकुंभ की यह दिव्य नगरी मोदी-योगी के कुशल मार्गदर्शन में एक नया इतिहास रचने जा रही है। जिसके चलते ही इस बार महाकुंभ में आने वाली भारी भीड़ के दृष्टिकोण से कुंभ के मेला क्षेत्र का क्षेत्रफल 4000 हेक्टेयर कर दिया गया है। लंबे समय से चली आ रही तैयारियों के बाद अब वह समय आ गया है जब त्रिवेणी के अद्भुत दिव्य तट पर सनातन धर्म के अनुयायियों का धर्म, आध्यात्म व आस्था के संगम के महाकुंभ का विशाल आयोजन 13 जनवरी शुरू होने वाला है और जोकि 26 फ़रवरी तक चलेगा। जिसको अद्भुत, अलौकिक, दिव्य, भव्य व नव्य स्वरूप प्रदान करने को मोदी व योगी सरकार दृढ़ संकल्पित है। इस बार के महाकुंभ 2025 के आयोजन के बजट पर एक नज़र डालें तो महाकुंभ के आयोजन के लिए करीब 7,500 करोड़ रुपए का खर्च सामने आ रहा है। जिस में से 2,100 करोड़ रुपए का आवंटन केंद्र सरकार के द्वारा किया है, वहीं उत्तर प्रदेश सरकार ने 5,435.68 करोड़ रुपए का विशाल बजट निर्धारित किया है। जबकि वर्ष 2019 में कुंभ मेले के लिए 4,200 करोड़ रुपए का बजट था। आर्थिक दृष्टिकोण से देखें तो हर कुंभ मेले की तरह ही इस बार भी महाकुंभ का देश की जीडीपी में एक बहुत ही बड़ा योगदान रहने की संभावना है, जिसके चलते ही मेला क्षेत्र छोटे व बड़े व्यापारियों, दुकानदारों आदि को आकर्षित करने का कार्य बखूबी कर रहा है, लोग महाकुंभ क्षेत्र में तरह-तरह का व्यापार करने के लिए उत्साहित हैं। हालांकि सनातन धर्म संस्कृति व परंपराओं के अनुसार महाकुंभ का यह पूरा समय ही अनुष्ठानों का एक भव्य दिव्य समागम है। जिसमें पूरे समय ही पूजा पाठ व स्नान आदि

मुख्य रूप से होता है, लेकिन इस मेले में कुछ विशेष तिथि पर स्नान करने को बहुत ही शुभ माना जाता है। जिसमें भाग लेने के लिए ही संगम के किनारे करोड़ों संत, महात्मा व तीर्थयात्री एकत्रित होते हैं और उन सभी का अटूट, श्रद्धा व विश्वास होता है कि शाही स्नान के लिए तय तिथियों में संगम के पवित्र जल में स्नान करने से उनका जीवन धन्य हो जाता है, उनको सभी पापों से मुक्ति मिल जाती है और वह स्वयं खुद के साथ-साथ अपने पूर्वजों को भी पुनर्जन्म के जीवन चक्र से मुक्त कर सकते हैं, इसलिए शाही स्नान की तिथि पर कुंभ नगरी में भारी भीड़ रहती है। इस बार महाकुंभ में शाही स्नान की वह विशेष तिथियां हैं - बहुत सारी विशेषताएं हैं। सरकार ने महाकुंभ-2025 को भव्य, दिव्य और नव्य स्वरूप प्रदान करते हुए अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित करने का कार्य किया है। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए पूरे महाकुंभ स्थल को एक जनपद का दर्जा दिया गया है और वहां पर जनपद स्तरीय अधिकारियों की पूरी टीम तैनात की गयी है। एक जनपद की तरह ही जरूरी विभिन्न विभागों के कार्यालय सर्किट हाउस और पुलिस लाइन का निर्माण किया गया है। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ आने की उम्मीद को देखते हुए इस बार कुंभ क्षेत्र का विस्तार 4000 हेक्टेयर में किया गया है, भारी भीड़ के मद्देनजर महाकुंभ की बसावट में बदलाव किया गया है। इस बार 25 सेक्टर में महाकुंभ नगरी को बसाया गया है। एक सेक्टर से दूसरे सेक्टर जाने के लिए गंगा पर 30 पोंटून पुल बनाये गये हैं।

महाकुंभ में स्वच्छ भारत मिशन को अमली जामा पहनाने के लिए स्वच्छता का माडल प्रस्तुत होगा। योगी सरकार ने महाकुंभ को स्वच्छता के माडल के रूप में देश व दुनिया के सामने प्रस्तुत करने के लिए पूरी तैयारी की है। योगी सरकार ने स्वच्छ महाकुंभ के मद्देनजर इस बार 1.5 लाख शौचालय बनाये हैं, मेला क्षेत्र में 25 हज़ार कूड़ेदान लगाए गए हैं, 15 हज़ार स्वच्छता कर्मी तैनात किए हैं, 160 अपशिष्ट प्रबंधन वाहनों का इंतजाम किया है। महाकुंभ को दिव्य व भव्य बनाने के लिए बड़े पैमाने पर मंदिर एवं घाटों का सौंदर्यीकरण किया गया है, 29 मंदिरों का सौंदर्यीकरण किया गया है, 11 कॉरिडोर का विकास किया गया है, 12 किमी अस्थायी घाट का निर्माण किया गया है, 8 किमी रिवर फ्रंट सड़कें बनाई गयी हैं।

शेयर ट्रेडिंग के बहाने 42 लाख की ठगी

ज्यादा मुनाफे का दिया झांसा, फर्जी सिम- बैंक खाते जब्त, मास्टरमाइंड गुजरात से गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर एजेंसी। बिलासपुर में इंडिया मार्ट नाम के प्लेटफार्म का इस्तेमाल कर शेयर ट्रेडिंग के बहाने 42 लाख रुपए की ठगी करने वाले गिरोह का मास्टरमाइंड गुजरात में पकड़ा गया। साइबर रेंज थाने की टीम को आरोपी तक पहुंचने के लिए गुजरात में पांच दिन गुजारनी पड़ी। जिसके बाद गिरोह के मास्टरमाइंड चिराग ठाकोर को गिरफ्तार कर लिया।

आरोपी फर्जी सिम और बैंक खाते के जरिए लोगों के रुपए ठगी करता था। आरोपी को पुलिस ने कोर्ट के आदेश पर जेल भेज दिया है।

दरअसल, धरमजयगढ़ निवासी आनंद अग्रवाल (45) को स्टॉक एक्सचेंज में शेयर खरीदने पर 3 करोड़ 48 लाख रुपए कमाने का झांसा देकर शिकार बनाया गया। ठगों ने आनंद से कुल 42 लाख रुपए ठग लिए थे। आनंद की रिपोर्ट पर पुलिस ने रकम जमा कराए गए खातों की जांच शुरू की।

तकनीकी जांच के बाद मास्टरमाइंड तक पहुंची पुलिस: पुलिस ने मोबाइल नंबर के सीडीआर खंगाले। इससे पुलिस को आरोपियों के गुजरात में होने के सुराग मिले। इसके बाद टीम गुजरात रवाना हुई। गिरोह के तीन सदस्यों को पकड़ा। लेकिन, मास्टरमाइंड फरार हो गया। उसे पकड़ने के लिए रेंज साइबर की टीम फिर से रवाना हुई। गुजरात के महेसाणा जिले में आरोपी चिरागजी ठाकोर (21) को ट्रेस किया।

उसके घर ठाकोर वास से पकड़ कर उसे बिलासपुर लाया गया। पूछताछ में उसने पूरे गिरोह को ऑपरेट करने की बात स्वीकार की। उसने बताया कि फर्जी सिम और बैंक खाते की मदद से शेयर ट्रेडिंग करने वालों को वे अपना शिकार बनाते थे।

प्रीमियम बल्क वेबसाइट से लेते थे डेटा: आरोपियों ने बताया कि प्रीमियम बल्क नाम के वेबसाइट से शेयर ट्रेडिंग करने वालों का डेटा खरीदते थे। 3 कैटेगरी में नंबर उन्हें वेबसाइट मुहैया कराती थी। पहली कैटेगरी में हाल ही में ट्रेडिंग शुरू करने वालों का डेटा 10 रुपए के हिसाब से खरीदते थे।

वहीं ट्रेडिंग में निवेश कर चुके लोगों के नंबर 5 रुपए और लंबे समय से ट्रेडिंग करने वालों के नंबर 1 रुपए के हिसाब से खरीदते थे। इसके बाद इन्हें कॉल कर दोगुना फायदा बताकर अपना शिकार बनाते थे। पुलिस इस गिरोह के अन्य लोगों की तलाश कर रही है।

जहां ठगी के ज्यादा मौके, उनके नंबर अधिक कीमती: पुलिस की पूछताछ में पता चला है कि ठगी करने वाले ऑनलाइन वेबसाइट से शेयर ट्रेडिंग करने वालों का नंबर खरीदते थे। वेबसाइट पर तीन श्रेणियों में नंबर उपलब्ध कराया जाता है। जिन लोगों ने हाल में ट्रेडिंग करना शुरू किया है, उनका नंबर 10 रुपये प्रति नंबर के हिसाब से उपलब्ध होता है।

दूसरे श्रेणी में उन लोगों को रखा गया है जो कुछ महीनों से ट्रेडिंग कर हैं। उनके प्रति नंबर को पांच रुपए के हिसाब से उपलब्ध कराया गया। तीसरे श्रेणी में लंबे समय से ट्रेडिंग करने वालों को रखा गया।

उनका नंबर एक रुपए में उपलब्ध कराया गया। हाल में ट्रेडिंग शुरू करने वालों को शेयर मार्केट से अनजान मानते हुए ठगी करने वालों को रुपए मिलने की उम्मीद रहती है। इसके कारण ऐसे लोगों का नंबर ज्यादा रुपए देकर खरीदा गया। इनके फंसने के चांस भी अधिक होते हैं।

पुलिस की अपील, जालसाजों से ऐसे बचें: शेयर मार्केट में निवेश कर अधिक मुनाफा कमाने का झांसा देने वाले अनजान काल से सावधान रहें। अनजान लोगों के वाट्सएप ग्रुप में न जुड़े और न ही किसी प्रकार की जानकारी साझा करें।

अनजान नंबर से अपने आप को कस्टम विभाग, पुलिस अधिकारी, सीबीआइ अथवा ईडी का अधिकारी बताकर बताकर ठगी करने का प्रयास करते हैं। ऐसे लोगों की जानकारी तत्काल स्थानीय पुलिस को देकर 1930 में शिकायत करें।

पार्सल कैंसिल हो गया है। पार्सल में एटीएम कार्ड, ड्रग्स मिला है जिसे कस्टम विभाग द्वारा जब्त किया गया है, कहकर डिजिटल अरेस्ट के नाम पर ठगी की जा रही है। इस प्रकार की ठगी से सावधान रहें।

पार्सल के नाम पर मोबाइल नंबर पर काल करने कहा जाता है। इससे कस्टमर का काल फारवर्ड एक्टिवेट हो जाता है और काल तथा मैसेज की जानकारी ठगों के पास चली जाती है। इस प्रकार के काल से सावधान रहे।

किसी भी लुभावने या सस्ती कीमतों पर मिलने वालों सामान को खरीदते समय नकद, ऑन डिलीवरी में लेनदेन करें।

अनजान व्यक्ति जिसका नंबर आपके मोबाइल पर सेव नहीं है, उसके साथ कभी भी कोई निजी जानकारी, बैंकिंग जानकारी, ओटीपी, आधार एप डाउनलोड या सर्च करने से बचें।

कम परिश्रम से अधिक लाभ कमाने या रकम दुगनी करने का झांसा देने वाले व्यक्तियों से सावधान रहें। खुद को स्वयं होकर ठगो के पास न पहुंचाएं।

स्वयं की पहचान छुपाकर इंटरनेट मीडिया फेसबुक, इंस्टाग्राम, वाट्सएप इत्यादि के माध्यम से अश्लील लाइव चैट करने से बचें।

छत्तीसगढ़ के वकील को महाकुंभ मेले में आया हार्ट अटैक

खुद को बताया कोरबा का एडीएम, कलेक्टर बोले- इस नाम का कोई अधिकारी नहीं

मीडिया ऑडीटर, कोरबा (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के कोरबा निवासी विक्रम कुमार जायसवाल ने खुद को कोरबा जिले का एडीएम बताकर प्रयागराज के अस्पताल में गलत जानकारी दी है। मामले में कोरबा प्रशासन ने संज्ञान लेते हुए स्पष्ट किया है कि जिले में इस नाम का व्यक्ति एडीएम नही है।

दरअसल, रविवार को प्रयागराज माघ मेले में विक्रम परिवार सहित मेला घूमने निकले थे, तभी उनको अचानक दिल का दौरा पड़ा, जिसके बाद वहां वे आईसीयू में भर्ती है। अस्पताल में उन्होंने खुद को कोरबा का एडीएम बताया है।

घूमने के दौरान आया हार्ट अटैक: दर्री रोड कोरबा निवासी विक्रम कुमार जायसवाल अपनी पत्नी और बेटे के साथ प्रयागराज में सेक्टर 24 हर्षवर्धन चौराहे के पास एक दोस्त के यहां ठहरे हैं। जब वह अपने परिवार के साथ मेला घूमने निकले, तभी अक्षयवट के पास उनकी तबीयत बिगड़ने लगी। देखते ही देखते थोड़ी देर में वह बेहोश हो गए।

खुद को बताया कोरबा का एडीएम: घटना के बाद उन्हें तत्काल मेले के सेक्टर दो स्थित केंद्रीय चिकित्सालय ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार में हार्ट अटैक की पुष्टि होने के बाद छावनी सामान्य अस्पताल के ईडी में भर्ती किया गया।

अस्पताल में उन्होंने खुद को कोरबा का एडीएम बताया और होश में आने के बाद मकर संक्रांति पर स्नान की इच्छा जताई।

जिला कलेक्टर अजीत वसंत ने स्पष्ट किया: उत्तरप्रदेश में खबर प्रकाशित होने के बाद जब कोरबा प्रशासन से जानकारी ली गई। कोरबा के जिला कलेक्टर अजीत वसंत ने स्पष्ट किया कि उनके जिले में इस नाम का कोई एडीएम कार्यरत नहीं है।

जिला अधिवक्ता संघ के सचिव नूतन सिंह ठाकुर ने बताया कि विक्रम जायसवाल एक वकील हैं जो स्टेट बार काउंसिल में रजिस्टर्ड हैं, लेकिन जिला अधिवक्ता संघ के सदस्य नहीं हैं।

फर्जी पहचान की होगी जांच: विक्रम कुमार जायसवाल के फर्जी पहचान मामले में अब प्रशासन ने जांच की बात कही है। एक वकील ने खुद को एडीएम क्यों बताया इसकी जांच की जा रही है।

सड़क किनारे मिली लड़की की लाश, शरीर पर चोट के निशान, हत्या की आशंका

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। रायपुर में सड़क किनारे एक लड़की की लाश मिली है। लाश पर चोट की निशान भी है। जिससे आशंका जताई जा रही है कि युवती की हत्या की गई है। फिलहाल युवती की पहचान नहीं हो पाई है। इस मामले में टिकरापारा पुलिस मौके पर पहुंच कर जांच पड़ताल कर रही है।

टिकरापारा थाना प्रभारी मनोज साहू से मिली जानकारी के मुताबिक, पुलिस को दोपहर 1 बजे के करीब सूचना मिली कि कमल विहार सेक्टर 1 इलाके में झाड़ियों के बीच एक लड़की की लाश है। लड़की ने काले रंग का कपड़ा पहना हुआ है।

लड़की की उम्र 18 साल के करीब है। फिलहाल लड़की की पहचान नहीं हो पाई है। आसपास के थानों में गुमशुदगी के मामलों को खंगाला जा रहा है।

हिट एंड रन...20 मिनट तक तड़पती रही महिला

कार की टक्कर से ई-रिक्शा के नीचे दबी, लोग फोन करते रहे, नहीं पहुंची एंबुलेंस

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। रायपुर के भगत सिंह चौक में हिट एंड रन का मामला सामने आया है। तेज रफ्तार कार ने एक ई-रिक्शा को टक्कर मार दी, जिससे पैदल चल रही महिला ई-रिक्शे के नीचे दब गई। इस हादसे महिला के सिर पर गंभीर चोट आई है।

लोगों ने कार को रोकने की कोशिश की, लेकिन कार चालक मौके से फरार हो गया। घटना के दौरान वहां मौजूद लोगों ने बताया कि महिला 20 मिनट तक सड़क पर तड़पती रही। इस दौरान एंबुलेंस को कॉल किया गया, लेकिन मदद नहीं मिली। बाद में एक कार चालक की मदद से महिला को अस्पताल पहुंचाया गया।

प्रत्यक्षदर्शी ने बताया सिग्नल जैसे बंद होने वाला था तेज रफ्तार में कार आई और ई-रिक्शा क्रॉस कर रहा था, तेज रफ्तार अल्टो कार ने ई-रिक्शा को ठोकर मारी। ई-रिक्शा पैदल चल रही महिला के ऊपर गिर गया। युवक ने बताया कि पुलिस और एम्बुलेंस को कॉल किया, लेकिन उनकी ओर से कोई सहायता नहीं मिली।

मदद के लिए चिल्लाता रहा, लेकिन कोई नहीं रुका: घटनास्थल में महिला की मदद करने पहुंचे युवक ने बताया कि एक्सीडेंट के बाद 20 मिनट तक महिला सड़क पर ही पड़ी रही, गंभीर चोट के कारण महिला का बहुत सारा खून बह गया है। युवक ने बताया कि एंबुलेंस में हो रही देरी को देखते हुए वहां से गुजर रहे ऑटो और कार चालकों को मदद के लिए बुलाता रहा, लेकिन कोई मदद करने नहीं रुका। युवक ने बताया कि 20 मिनट बाद एक व्यक्ति ने अपनी कार रोकी और और उनकी मदद से हमने महिला को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया है।

महिला चला रहा थी कार: कार ने जिस ई रिक्शा को टक्कर मारी उसके चालक ने बताया कि अल्टो कार एक महिला चला रही थी। और जिस वक्त हादसा हुआ उस दौरान उसके रिक्शा में कुल तीन लोग सवार थे। ई रिक्शा में बैठे किसी को चोट नहीं पहुंची लेकिन सड़क पर पैदल चल रही महिला पर ई रिक्शा गिर गया और उन्हें चोट आई है।

4 दिन पहले भी आया था हिट एंड रन का मामला: 4 दिन पहले सिविल लाइन थाना इलाके में एक्सप्रेस वे पर हिट एंड रन हादसा का केस सामने आया था। जिसमें एक एक्टिवा सवार युवती को एक कार चालक ने ठोकर मार दी। और वह मौके से फरार हो गया । और युवती को गंभीर हालत में रायपुर के अंबेडकर अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

प्रतिदिन चिरमिरी निगम आयुक्त शहर की व्यवस्थाओं का ले रहे हैं जायजा

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। छत्तीसगढ़ प्रदेश के नगरीय प्रशासन मंत्री अरुण साव के निर्देशानसार जिले के कलेक्टर एवं चिरमिरी नगर निगम प्रशासक डी. राहुल वेंकट के मार्गदर्शन में प्रतिदिन चिरमिरी नगर निगम के आयुक्त राम प्रसाद आचला के द्वारा निगम अमले के साथ चिरमिरी शहर की साफ-सफाई एवं अन्य व्यवस्थाओं का जायजा ले रहे हैं। इसी कड़ी में सोमवार को आयुक्त आचला ने शहर के हृदय स्थल हल्दीबाड़ी सरगुजा समिति में विशेष अभियान चलाकर नाला की साफ़-सफाई कराई, सफाई कराए जाने के दौरान उन्होंने आमजनों से अपील करते हुए कहा कि अपने घरों के आसपास साफ-सफाई का वातावरण रखें। सफाई रहेगी तो हमें गंभीर से गंभीर बीमारियों से निजात मिलेगी, उन्होंने आमजनता से अपील करते हुए कहा कि घरों के कचरो को वार्डों में प्रतिदिन चल रही डोर टू डोर वाहनों में ही डालें घर के बाहर किसी प्रकार की कोई भी गंदगी ना करें।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने हल्दीबाड़ी के सिद्धबाबा पहाड़ मंदिर में बन रहे सड़क का निरीक्षण एवं निर्माण कार्यों का मुआयना किया और कार्य में गति लाने तकनीकी अधिकारियों को निर्देशित किया। इस दौरान नगर निगम के स्वच्छता प्रभारी उमेश तिवारी, सहायक अभियंता विजय बधावन, जिला समन्वयक पीआईयू प्रवीण कुमार सिंह शामिल रहे।

राज्य महिला आयोग व्दारा महिला उत्पीड़न की सुनवाई 23 जनवरी को कोरिया में

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग द्वारा जिला-मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर, कोरिया और सूरजपुर से प्राप्त महिलाओं के उत्पीड़न की प्रकरणों की सुनवाई 23 जनवरी 2025 को आयोजित की जाएगी। यह सुनवाई आयोग की अध्यक्ष डॉ. किरणमयी नायक और सदस्य प्रियम्वदा सिंह जूदेव की अध्यक्षता में जिला पंचायत सभाकक्ष, बैकुण्ठपुर, जिला-कोरिया में सुबह 11: 00 बजे से शुरू होगी। इस सुनवाई का आयोजन छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग अधिनियम की धारा 10(3) के तहत किया जा रहा है। इसमें सभी आवेदिकाओं और अनावेदकों को नोटिस जारी कर सुनवाई में अनिवार्य रूप से उपस्थित होने के निर्देश दिये गये हैं। इसके साथ ही थाना प्रभारियों को निर्देश दिया गया है कि वे नोटिस तामील कराकर उसकी पावती आयोग को उपलब्ध कराएं। साथ ही सुनवाई के दौरान सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए एक जिम्मेदार अधिकारी, एक आरक्षक और एक महिला आरक्षक की ड्यूटी लगाई जाएगी।

एमसीबी जिले का आवेदिकाएं और अनावेदक का नाम पता इस प्रकार है:- धोखाधड़ी के मामलों में रत्ना हथगेन पति प्रकास हथगेन निवासी नेहरू कालोनी सोनावनी, उषा पति संजय निवासी मौहरपारा वार्ड न0 03 मनेन्द्रगढ़, तुलसा पति बलराम समुंद निवासी सेंट्रल स्कूल के पीछे मनेन्द्रगढ़ और आरती पति विकेश चौहान निवासी कपुर सिंह दफाई छोटा बाजार आवेदिकाएं हैं, जबकि चन्दन बिरहा पिता सुक्खु निवासी शनि मंदिर के पास मोहन कालोनी चिरमिरी अनावेदक है। हत्या के मामले में मृतिका अंजना जायसवाल की ओर से प्रभावती जायसवाल निवासी छोटा बाजार चिरमिरी आवेदिका है। अनावेदकों में डॉ. राजेन्द्र नारायण परीदा, डॉ. प्रीतीवन्ति टोप्पो, डॉ. आशा बसंल और अन्य चिकित्सा विशेषज्ञ राजमाता देवेन्द्र कुमारी सिंहदेवी शासकीय चिकित्सक महाविद्यालय नगर थाना व तहसील अम्बिकापुर एवं परिदा नर्सिंग होम गुदरी चौक प्रतापपुर नाका रोड जिला-सरगुजा शामिल हैं। दहेज प्रताड़ना के मामले में रूपा पत्नी नीरज नौरेंगा जाति सुर्यवंशी निवासी वार्ड क्र0 14 झगराखाण्ड आवेदिका हैं, जबकि नीरज नौरेंगा (पति), गौरी बाई (सास), रानी नौरेंगा (ननंद) और सागर (जेठ) निवासी 03 लक्ष्मी परिसर फेस-2 नीरज नगर पोस्ट त्रिलंगा जिला-भोपाल अनावेदक हैं। मानसिक प्रताड़ना के मामलों में वंदना जायसवाल निवासी म.न.-76, एम.एल.ए नगर बैकुण्ठपुर और सचिव न्यू लाईफ'' हेल्थ एण्ड एजुकेशन सोसायटी प्रधान कार्यालय पोंड़ी(बचरा) आवेदिका है। जबकि डॉ. राकेश शर्मा पता संचालक शर्मा हॉस्पिटल महलपारा बैकुन्ठपुर, संजय जयसवाल पार्षद जूनापारा बैकुन्ठपुर, रवि सिंह पत्रकार दैनिक समाचार पत्र घटती घटना, पता कटकोना कोरिया और अविनाश सिंह संपादक दैनिक समाचार पत्र घटती घटना एमसीबी, कोरिया, सूरजपुर निवासी पावर हाउस रोड़ नम्नाकला अम्बिकापुर अनावेदक है। वहीं मानसिक आर्थिक प्रताड़ना के मामलों में गिरजा कुवँर पति स्व. छोटेलाल निवासी दलगंज दफाई छोटा बाजार चिरमिरी आवेदक है। जबकि आदेश कुमार आ. स्व. बैरिहा निवासी आमानाला हल्दीबाड़ी अनावेदक है।

जनदर्शन में आए 06 आवेदन

संयुक्त कलेक्टर ने प्राप्त सभी आवेदनों को त्वरित निराकरण करने के दिए निर्देश

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। कलेक्टर डी. राहुल वेंकट के निर्देशानुसार संयुक्त कलेक्टर सी.एस. पैकरा ने आज कलेक्ट्रेट कार्यालय में जनदर्शन के माध्यम से आम नागरिकों की समस्याओं को सुना। जिले के ग्रामीण जन और नागरिकों ने जनदर्शन में अपनी छोटी-बड़ी समस्याओं को सीधे संयुक्त कलेक्टर के समक्ष रखा। संयुक्त कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को प्राप्त सभी आवेदनों को प्राथमिकता के साथ शीघ्रता से समय-सीमा में निराकरण करने के निर्देश दिए हैं। जनदर्शन में आज कुल 06 आवेदन प्राप्त हुए।

आज के जनदर्शन में आवेदक रामनारायण निवासी ग्राम बरकेला तहसील मनेंद्रगढ़ चुनाव हेतु वर्ग आरक्षण जनसंख्या के अनुसार नहीं किये जाने के संबंध में, दुर्गा प्रसाद गुप्ता निवासी फव्वारा चौक मनेंद्रगढ़ लीज नवीनीकरण कराये जाने के संबंध में, उर्मिला ग्राम रतौरा केल्हारी ग्राम रतौरा में स्थित वन भूमि कम्पार्टमेंट/खसरा न. 738 क्षेत्रफल/रकबा 1.600 हे. भूमि का धान उपज धान मंडी द्वारा न खरीदी करने के संबंध में, निरपत सिंह गोंड निवासी ग्राम रतौरा केल्हारी ग्राम रतौरा में स्थित वन भूमि कम्पार्टमेंट/खसरा न. 739 ए क्षेत्रफल/रकबा 1.47 हे. भूमि का धान उपज धान मंडी द्वारा न खरीदी करने के संबंध में, हीरा सिंह निवासी रतौरा केल्हारी ग्राम रतौरा में स्थित वन भूमि कम्पार्टमेंट/खसरा न. 739 ए क्षेत्रफल/रकबा 1.6000 हे. भूमि का धान उपज धान मंडी द्वारा न खरीदी करने के संबंध में, शांति निवासी मेंड्राडोल वन विभाग की भूमि पर पुराने कब्जेदार का पट्टा न देकर जिसका भूमि पर कब्जा नहीं है, उसको पट्टा दे दिया गया है उसको निरस्त किये जाने के संबंध में अपना शिकायत लेकर उपस्थित हुए थे।

आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ते कदम

प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना से छोटे व्यवसायी को मिल रहा है नया संबल, जीवन में आ रहा बड़ा बदलाव

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। केंद्र सरकार द्वारा छोटे व्यवसायियों को उनके कारोबार के लिए सजकता से ऋण प्रदान करने के लिए संचालित प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना से चिरमिरी नगर निगम क्षेत्र में भी रहने वाले हितग्राही लाभान्वित हो रहे है। बता दे कि भारत सरकार की महत्वाकांक्षी प्रधानमंत्री आत्मनिर्भर निधि पीएम स्वनिधि योजना का क्रियान्वयन फुटकर दुकानदारों को सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से कोविड-19 के दौरान लॉकडाउन में हुए नुकसान एवं व्यवसाय को पुनः स्थापित करने के उद्देश्य प्रारंभ की गई थी। रेहड़ी वाले छोटे मझौली व्यवसायियों जैसे चाट, फुल्की, सब्जी एवं फल दुकान, नाई, पंचर बनाने का काम करने वाले व्यवसायों के लिए वरदान साबित हो रही है। योजना के तहत ऐसे शहरी पथ विक्रेताओं को बैंक के माध्यम से क्रमशः 10 हज़ार से 20 हज़ार एवं 50 हज़ार 03 से 04 प्रतिशत ब्याज पर ऋण राशि प्रदान की जाती है। योजना के तहत नगर पालिक निगम चिरमिरी के पोंड़ी निवासी विकास गुप्ता ने नवंबर 2023 में पीएम स्वनिधि से बिना सिक्यूरिटी के 10 हज़ार, का बैंक ऋण प्राप्त किया। विकास गुप्ता चाट-फुल्की का व्यवसाय करते थे। पीएम स्वनिधि योजना से सहायता प्राप्त होने के बाद अपने व्यवसाय को बढ़ाते हुए एग्रोल सेंटर का व्यवसाय चालू किया। पीएम स्वनिधि योजना से प्राप्त वित्तीय सहायता से फर्नीचर एवं सामग्री का क्रय कर अपने व्यवसाय को बढ़ाते हुए प्रतिदिन 1000 से 1200 रुपए कमाते हैं। अपने आय से गुप्ता ने बताया कि बैंक का ऋण चुकता कर सितंबर 2024 में पुनः 20 हज़ार का ऋण लिया और अपनी व्यवसाय को और आगे बढ़ा रहे हैं, इस योजना ने उन्हें आत्मनिर्भर में महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया।

इसी प्रकार हल्दीबाड़ी निवासी विमला देवी अग्रहरि अपने परिवार के साथ चाट-फुल्की का व्यवसाय करती हैं। विमला देवी ने पीएम स्वनिधि योजना अंतर्गत नवंबर 2020 में 10 हज़ार का ऋण प्राप्त कर अपने व्यवसाय को बढ़ाया इससे प्राप्त आमदनी से अपने ऋण को चुका कर मई 2020 में 20 हज़ार इसके पश्चात जुलाई 2023 में 50 हज़ार का बैंक से वित्तीय सहायता ऋण के रूप में प्राप्त कर अपने व्यवसाय को बढ़ाया। विमला देवी अग्रहरि ने बताया कि यह योजना हमारे परिवार के लिए वरदान साबित हुई। हमने इस योजना से लाभ प्राप्त अपने व्यवसाय को बढ़ाया और व्यवसाय से प्राप्त होने वाले आय से हमने स्वयं का एक घर भी बना लिया है। हमारा परिवार आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर हो गया है। इस अनूठी योजना के लिए हम देश के माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और छत्तीसगढ़ प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का हृदय से आभार प्रकट करते हैं। इस योजना के तहत नगर पालिक निगम चिरमिरी में लगभग 2 हजार शहरी पथ विक्रेताओं के आवेदन विभिन्न बैंकों को प्रेषित किए गए हैं। जिसमें 1591 आवेदनों को बैंकों के द्वारा स्वीकृत कर 1521 वेंडर को ऋण प्रदान किया गया है।

सरगुजा के आसमान पर विदेशी पंतगों की कलाबाजी

मकर संक्राति पर पतंग प्रतियोगिता का आयोजन, विदेशों की पतंगे बनी आकर्षण का केंद्र

मीडिया ऑडीटर, सरगुजा (एजेंसी)। मकर संक्रांति के अवसर पर गांधी स्टेडियम में सरगुजा सेवा समिति द्वारा पतंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें विदेशों से आईं पतंगें आकर्षण का केन्द्र रहीं। प्रतियोगिता में इंडोनेशिया, दुबई और माल्टा द्वीप की पतंगों ने आसमान में अपनी कलाबाजी से दर्शकों का दिल जीत लिया। इन विदेशी पतंगों को देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंचे थे, जबकि स्थानीय युवाओं ने भी प्रतियोगिता में भाग लिया और अपनी पतंगबाजी के हुनर का प्रदर्शन किया। गांधी स्टेडियम में आयोजित प्रतियोगिता में अंबिकापुर के रहने वाले मुकेश अग्रवाल की विदेशी पतंगें आकर्षण का केंद्र रहीं। मुकेश ने इंडोनेशिया की बाज आकार की पतंग, दुबई की ऑक्टोपस पतंग और माल्टा द्वीप की ड्रैगन आकार की पतंग के साथ प्रतियोगिता में भाग लिया।

सौ से अधिक पतंगों का कलेक्शन: मुकेश अग्रवाल ने बताया कि उन्हें बचपन से ही पतंगबाजी का शौक रहा है। उनके पास देसी और विदेशी 100 से अधिक पतंगों का कलेक्शन है। वे विभिन्न पतंग प्रतियोगिताओं में भी हिस्सा लेते हैं। 19 अक्टूबर 2024 को गेजो माल्टा द्वीप में आयोजित इंटरनेशनल पतंग फेस्टिवल में भी भाग ले चुके हैं।

बच्चों-युवाओं ने दिखाया हुनर: पतंग प्रतियोगिता में अंबिकापुर के बच्चों-युवाओं ने उत्साह के साथ भाग लिया और अपना हुनर दिखाया। प्रतियोगिता के लिए दोपहर तक 84 एंट्रीज मिली थी, जो शाम तक बढ़ जाएगी। सरगुजा सेवा समिति द्वारा विजेता प्रतियोगियों को नकद पुरस्कार भी दिया जाएगा। पतंग प्रतियोगिता देखने के लिए बड़ी संख्या में नागरिक गांधी स्टेडियम पहुंचे थे।

लुप्त हो रही परंपरा को बचाने की जरूरत: सरगुजा सेवा समिति की अध्यक्ष रजनी रविशंकर त्रिपाठी ने कहा कि पतंगबाजी की यह परंपरा धीरे-धीरे लुप्त हो रही है। इसे बचाए रखने के लिए हर साल इस तरह की प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है। बच्चे प्रतियोगिता में हिस्सा लेने के लिए उत्साहित होते हैं। प्रतियोगिता से बच्चों की छिपी प्रतिभा सामने आती है।

शरद पवार बोले- शाह पद की गरिमा कायम रखें

मुंबई (एजेंसी)। शरद पवार ने गृह मंत्री अमित शाह को अपने पद की मर्यादा बनाए रखने की नसीहत दी है। दरअसल, 12 जनवरी को अमित शाह ने शिरडी में भाजपा के सम्मेलन में कहा था कि महाराष्ट्र में भाजपा की जीत ने 1978 में पवार के द्वारा शुरू की गई विश्वासघात की राजनीति को 20 फीट जमीन में दफना दिया है।

पवार ने मंगलवार को मुंबई में कहा- इस देश ने कई बेहतरीन गृह मंत्री देखे हैं, लेकिन उनमें से किसी को भी अपने राज्य से बाहर नहीं निकाला गया। उनका इशारा सोहराबुद्दीन शेख फर्जी मुठभेड़ मामले में 2010 में शाह को 2 साल के लिए गुजरात से बाहर निकाले जाने की ओर था। 2014 में शाह को सभी आरोपों से बरी कर दिया गया था।

शरद पवार ने कहा कि 1978 में मैं सीएम था। तब राजनीति में पक्ष-विपक्ष के बीच इतनी कटुता नहीं थी। उस समय जन संघ के उत्तम राव पाटिल जैसे लोग भी मेरी मिनिस्ट्री में थे। इसके बाद जब वाजपेयी पीएम बने थे, तो उन्होंने मुझे आपदा मैनेजमेंट अथॉरिटी का अध्यक्ष बनाया था। मेरे विपक्ष में होने के बावजूद उन्होंने मुझे जिम्मेदारी दी थी।

एलओसी के पास लैंडमाइन ब्लास्ट, 6 जवान घायल

जम्मू(एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के राजौरी में मंगलवार को एलओसी के पास लैंडमाइन ब्लास्ट में गोरखा राइफल्स के 6 जवान घायल हो गए। ब्लास्ट भवानी सेक्टर के मकरी इलाके में हुआ। हादसा सुबह 10:45 बजे हुआ। जवानों की एक टुकड़ी खंबा किले के पास पेट्रोलिंग कर रही थी। उसी दौरान एक जवान का पैर गलती से सेना की बिछाई लैंड माइन पर पड़ गया। सभी घायलों को इलाज के लिए 150 जनरल अस्पताल राजौरी ले जाया गया है। उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। जवानों को मामूली चोटें आई हैं। घुसपैठ रोकने के लिए लैंडमाइन बिछाई गई थी सेना के अधिकारियों के मुताबिक, एलओसी के पास घुसपैठ रोकने के लिए ये लैंडमाइन बिछाई गई थीं। अधिकारियों के मुताबिक, ये लैंडमाइंस कभी-कभी बहकर जगह से हट जाती हैं इसलिए ऐसे हादसे होते हैं।

केजरीवाल का आरोप- भाजपा और कांग्रेस के बीच जुगलबंदी

नई दिल्ली(एजेंसी)। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने मंगलवार को आरोप लगाया कि दिल्ली विधानसभा चुनाव में भाजपा और कांग्रेस की जुगलबंदी उजागर होगी। उन्होंने कहा- मैं जब राहुल गांधी के बारे में बोलता हूं तो उसका जवाब भाजपा की ओर से आता है। दोनों के बीच साझेदारी चल रही है। दरअसल, राहुल गांधी ने सोमवार को दिल्ली के सीलमपुर में कहा, अरविंद केजरीवाल कहते थे कि वह दिल्ली को साफ करेंगे, भ्रष्टाचार खत्म करेंगे और राष्ट्रीय राजधानी को पेरिस बना देंगे। क्या हुआ? क्या उन्होंने भ्रष्टाचार खत्म किया? दिल्ली में प्रदूषण, भ्रष्टाचार और महंगाई बढ़ रही है। केजरीवाल ने ङ्क पर जवाब दिया- राहुल गांधी जी दिल्ली आए। उन्होंने मुझे बहुत गालियां दीं

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अक्षत औरा को दी बधाई

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने धार जिले के श्री अक्षत औरा पिता श्री मनोज औरा को चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए) फाइनल परीक्षा में ऑल इंडिया 5वीं रैंक हासिल करने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। अक्षत ने अपनी इस उपलब्धि से पूरे मध्यप्रदेश का नाम राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित किया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अक्षत के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि उनकी यह उपलब्धि प्रदेश के युवाओं को अपने लक्ष्य प्राप्त करने के लिए प्रेरित करेगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि साधारण किसान परिवार से आने वाले अक्षत ने न केवल धार जिले बल्कि पूरे प्रदेश का मान बढ़ाया है। उनकी सफलता इस बात का प्रमाण है कि कठिन परिश्रम और दृढ़ संकल्प से कोई भी

स्कूलों में धमकी देने वाले छात्र का एनजीओ से लिंक

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के 400 स्कूलों में बम की फर्जी धमकी देने वाले के बारे में नई जानकारी सामने आई है। दिल्ली पुलिस ने मंगलवार को बताया कि आरोपी 12वीं का स्टूडेंट है। उसकी फैमिली एक एनजीओ के संपर्क में थी, जो अफजल गुरु की फांसी का विरोध कर रहा था। पुलिस ने बताया कि हमारी टीमों ने 8 जनवरी को आए ई-मेल के बाद नाबालिग को ट्रैक किया। ई-मेल भेजने वाला नाबालिग था, इसलिए टीम ने फोरेंसिक जांच के लिए उसका लैपटॉप और मोबाइल फोन अपने कब्जे में ले लिया। हालांकि, हिरासत में नहीं लिया गया था। दरअसल, दिल्ली में 2024 में मई से लेकर दिसंबर तक 50 बम की धमकियां भेजी गईं। इसमें सिर्फ स्कूल ही नहीं अस्पताल, एयरपोर्ट और एयरलाइन कंपनियां भी शामिल हैं। इस महीने 4 बार स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी दी जा चुकी है। मामला सामने आने के बाद भाजपा प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करके कहा कि सभी को पता है कि आप का ऐसे एनजीओ से गहरा संबंध है।

एक देश-एक चुनाव-ईसी के पास वेयरहाउस की कमी

नई दिल्ली (एजेंसी)। चुनाव आयोग ने कहा कि लोकसभा और राज्यसभा के चुनाव एक साथ कराने के लिए 800 एक्स्ट्रा वेयरहाउस की जरूरत होगी। इन वेयरहाउस में ईवीएम और अन्य उपकरण रखे जाएंगे। ईसी ने बयान जारी कर कहा कि वेयरहाउस बनाना कठिन काम है और इसमें बहुत लागत आती है। वेयरहाउस के लिए जमीन और कंस्ट्रक्शन की लागत राज्य सरकारों द्वारा दी जाती है। चुनाव आयोग ने मार्च 2023 में लॉ कमीशन और केंद्रीय कानून मंत्रालय के कानूनी मामलों के विभाग के साथ एक साथ चुनाव कराने पर चर्चा की थी। इसकी रिपोर्ट एक देश-एक चुनाव के 2 बिलों पर चर्चा के लिए बनाई जॉइंट पार्लियामेंट कमेटी को भेज दी है। अतिरिक्त बजट की जरूरत चुनाव आयोग ने कानूनी मामलों के विभाग को बताया था कि सभी वेयरहाउस में सुरक्षा कर्मियों की तैनाती, हर एक और तीन महीने में निरीक्षण, फायर अलार्म और सीसीटीवी कैमरे लगाने के लिए अतिरिक्त बजट की जरूरत होगी, जो बहुत मुश्किल है। 326 जिलों में नए वेयरहाउस बनाए जाएंगे चुनाव आयोग के मुताबिक देश में लगभग 772 जिले हैं।

राजनाथ बोले- पोक के बिना जम्मू-कश्मीर अधूरा

श्रीनगर (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पोक यानी पाक अधिकृत कश्मीर को भारत का अभिन्न अंग बताया है। उन्होंने कहा कि पोक के बिना जम्मू-कश्मीर अधूरा है। पोक और कुछ नहीं बल्कि पाकिस्तान के लिए विदेशी जमीन है और इस जमीन का इस्तेमाल वह आतंकवाद फैलाने के लिए कर रहा है। वक्त्य में आतंकियों के लिए ट्रेनिंग

कैंप चलाए जा रहे हैं। राजनाथ सिंह ने यह बात मंगलवार को जम्मू-कश्मीर के अखनूर में 9वें आर्म्ड फोर्सेज वेटरंस डे इवेंट में कही।

उन्होंने कहा कि 1965 में अखनूर में भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध लड़ा गया था। भारत ने पाकिस्तानी सेना के सभी प्रयासों को विफल कर दिया था। अब तक भारत और पाकिस्तान के बीच जितने युद्ध हुए, उनमें भारत ने पाकिस्तान को हराया है।

मोदी बोले- आज वॉट्सएप पर मौसम अपडेट मिलता है

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार को भारतीय मंडपम में आयोजित भारतीय मौसम विभाग के 150वें स्थापना दिवस के कार्यक्रम में शामिल हुए। पीएम ने यहां 25 मिनट की स्पीच दी। इस दौरान उन्होंने आईएमडी के विकास, उसके महत्व और चुनौतियों के बारे में बात की।

पीएम ने कहा- आज मौसम से जुड़ी सारी अपडेट वॉट्सएप पर मिल जाती है। पिछले 10 सालों में कई साइक्लोन आए, लेकिन हमने जनहानि को जीरो या सबसे कम करके दिखाया। पिछली सरकारों में जब ऐसी प्राकृतिक आपदाओं में हजारों जानें जाती थीं तो उसे नियति कहकर टाल दिया जाता था। कल (13 जनवरी) मैं जम्मू-कश्मीर के सोनमर्ग में था, वहां का प्रोग्राम पहले बनाया गया था लेकिन मौसम विभाग ने कहा कि 13 जनवरी को प्रोग्राम बनाइए। मैं वहां कल दिन में था। एक बार भी बादल नहीं आए। मौसम विभाग की सूचना के कारण मैं आसानी से कार्यक्रम पूरा करके लौटा।

किसी भी देश के वैज्ञानिक संस्थानों की प्रगति साइंस के प्रति उसकी जागरूकता को दिखाती है। वैज्ञानिक संस्थाओं में रिसर्च और इनोवेशन नए भारत के टेंपरामेंट का हिस्सा है। इसलिए पिछले 10 सालों में डुस्ष्ठ के इंफ्रास्ट्रक्चर और टेक्नोलॉजी में विस्तार हुआ है। ऑटोमेटिक वेदर स्टेशन, रनवे वेदर मॉनिटरिंग सिस्टम, डिस्ट्रिक्ट वाइज रेनफॉल मॉनिटराइजेशन ऐसे अनेक आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर जोड़े गए हैं।

उत्तर भारत के 17 राज्यों में कोहरा, 9 में बारिश

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में बर्फीली हवाओं के कारण उत्तर भारत के राज्यों में तापमान लगातार गिर रहा है। इसके अलावा मौसम विभाग ने मंगलवार को 17 राज्यों में कोहरा और 9 राज्यों में बारिश होने का अनुमान भी जताया है।

हिमाचल में बर्फबारी के कारण कुकुमसेरी का इलाका सबसे ठंडा रहा। यहां रात का तापमान -12.3एष्ट दर्ज किया गया, जबकि ताबो में -10.9एष्ट तापमान रहा। हरियाणा में भी सर्दी के कारण 2 लोगों की मौत हुई।

मकर संक्रांति, गुजरात में पतंगबाजी के दौरान 6 की मौत

नई दिल्ली/प्रयागराज/अहमदाबाद (एजेंसी)। राजकोट के राहटलाव गांव में 5 साल के कुणाल की मांझे से गर्दन कट गई। वह पिता के साथ बाइक पर गुब्बारे लेने जा रहा था। सुरेंद्रनगर के ईश्वरभाई तारशीभाई ठाकोर की मांझे की चपेट में आने से मौत हो गई। महेसाणा के कडी के कस्बा क्षेत्र में बिजली लाइन पर गिरी पतंग को हटाने के प्रयास में एक महिला करंट की चपेट में आ गई। उसे बचाने गए उसके भाई की करंट से मौत हो गई। वडोदरा शहर भी पतंग के मांझे से 6 घटनाएं हुई। इनमें से पांच लोग घायल हुए, जबकि छानी इलाके में रहने वाली माधुरी कौशिकभाई पटेल (35) की मौत हो गई है। वडोदरा शहर में ही पतंग उड़ाते वक्त छत से गिरने से एक शख्स की मौत हो गई। वहीं, वडनगर तालुका के वडबर गांव में मांझे की चपेट में आने से मंसाजी रागुंजी ठाकोर (35) की मौत हो गई। देशभर में मकर संक्रांति, पोंगल, बिहू उत्सव मनाया जा रहा प्रयागराज में मकर संक्रांति के मौके पर महाकुंभ का पहला अमृत स्नान हुआ। इसमें 3.5 करोड़ लोगों ने डुबकी लगाई।

गुजरात के अहमदाबाद में भी काइट फेस्टिवल मनाया जा रहा है। महोत्सव में भाग लेने के लिए देश के 11 राज्यों से 52 और 47 देशों से 143 पतंगबाज पहुंचे हैं। अमित शाह ने अहमदाबाद में पतंग उड़ाई।

वहीं, राजस्थान में भी पतंगबाजी का उत्सव मनाया जा रहा है। जयपुर के परकोटा स्थित गोविंद देवजी मंदिर में आज पतंगों की झांकी सजाई गई है। भक्त दर्शन के लिए यहां पहुंच रहे हैं।

असम खदान रेस्क्यू 9वां दिन- नौसेना ने गोताखोर वापस बुलाए

नई दिल्ली (एजेंसी)। असम के दीमा हसाओ जिले में 300 फीट गहरी कोयला खदान में 6 जनवरी को पानी भर गया था, जिसमें 9 मजदूर फंस गए थे। इन रैट माइनर्स के रेस्क्यू ऑपरेशन का आज 9वां दिन है। रेस्क्यू ऑपरेशन कर रही भारतीय नौसेना ने अपने गोताखोरों को वापस बुला लिया है।

अब तक 4 मजदूरों के शव निकाले जा चुके हैं। 5 मजदूर अब भी खदान में फंसे हैं, हालांकि अधिकारियों का मानना है कि इनके बचने की उम्मीद कम है।

जिन मजदूरों के शव निकाले गए हैं उनमें 8 जनवरी को नेपाल के गंगा बहादुर श्रेष्ठ का और 11 जनवरी को उमरांगसो के लिजेन मगर, कोकराझार के खुशी मोहन राय और सोनितपुर के सरत गोयारी शामिल थे।

रेस्क्यू ऑपरेशन इंडियन आर्मी और एनडीआरएफ मिलकर चला रही थी। हादसे वाले दिन खदान में वाटर लेवल 30 मीटर था, अब यह 12 मीटर से भी कम हो गया है। हालांकि पानी निकालने का काम अभी जारी है।

महाकुंभ में 12 घंटे में 3.5 करोड़ ने डुबकी लगाई

प्रयागराज (एजेंसी)। महाकुंभ का पहला अमृत (शाही) स्नान करीब 12 घंटे बाद खत्म हो गया। जूना अखाड़ा समेत सभी 13 अखाड़ों के संत स्नान कर चुके हैं। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, इन 12 घंटों में 3.5 करोड़ श्रद्धालु संगम में डुबकी लगा चुके हैं। श्रद्धालुओं पर हेलिकॉप्टर से लगातार फूल बरसाए गए। वहीं, स्नान के बाद लोगों ने प्रयागराज से लौटना शुरू

कर दिया है। इससे रेलवे स्टेशन और बस स्टैंड पर भारी भीड़ हो गई है। प्रयागराज रेलवे स्टेशन पर पैर रखने की जगह नहीं है। लोगों को हॉल में रोक लिया जा रहा है। आने वाली ट्रेन के हिसाब से ही प्लेटफार्म पर भेजा जा रहा है। रेलवे के पीआरओ अमित सिंह ने बताया कि आज सुबह से अभी तक 55 महाकुंभ स्पेशल ट्रेनें रवाना की हैं। रात में यह आंकड़ा और बढ़ेगा।

आसाराम 11 साल बाद जमानत पर बाहर आएगा

जोधपुर (एजेंसी)। जोधपुर में नाबालिग से रेप के मामले में जेल में बंद आसाराम को राजस्थान हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। आसाराम की ओर से सजा स्थगन व जमानत के लिए पेश याचिका पर आज सुनवाई हुई। आसाराम के वकील निशांत बोड़ा ने बताया- उम्र और स्वास्थ्य को देखते हुए आसाराम को 31 मार्च तक अंतरिम जमानत दी गई है। आसाराम को जोधपुर पुलिस ने इंदौर के आश्रम से साल 2013 में गिरफ्तार किया था। इसके बाद से आसाराम जेल में बंद था। पांच साल तक लंबी सुनवाई के बाद 25 अप्रैल 2018 को कोर्ट ने आसाराम को आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। अब 11 साल बाद जमानत पर जेल से बाहर आएगा। अभी यह साफ नहीं है कि आसाराम आज जेल से बाहर आएगा या नहीं। आसाराम के वकील के मुताबिक कोर्ट का कर्मचारी ऑर्डर लेकर जेल जाएगा, उसके बाद आसाराम जेल से बाहर आएगा। आसाराम फिलहाल जोधपुर स्थित आरोग्यम अस्पताल में भर्ती है।

राहुल ने दिल्ली की गंदगी दिखाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने मंगलवार को राजधानी का दौरा करते हुए एक वीडियो शेयर किया। उन्होंने गंदगी दिखाते हुए केजरीवाल पर तंज कसते हुए कहा, ये है केजरीवाल जी की चमकती दिल्ली, पेरिस वाली दिल्ली। दरअसल, राहुल लगातार केजरीवाल और आम आदमी पार्टी पर हमलावर हैं। उन्होंने सोमवार को

सीलमपुर में कांग्रेस के चुनावी प्रचार की शुरुआत की। इस दौरान उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी और केजरीवाल एक जैसे हैं। दोनों अडाणी मुद्दे पर बात नहीं करते और न ही जातिगत जनगणना पर बात करने को तैयार हैं। राहुल ने कहा था कि केजरीवाल भी पीएम मोदी की तरह झूठ बोलते हैं। दिल्ली में चुनाव की तारीखों का ऐलान हो चुका है। 5 फरवरी को सभी 70 सीटों पर वोटिंग होगी। वहीं, 8 फरवरी को नतीजे घोषित किए जाएंगे। दिल्ली विधानसभा का मौजूदा कार्यकाल 23 फरवरी को खत्म हो रहा है

कोरोना वायरस जैसे एचएमपीवी के देश में 18 केस

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोरोना वायरस जैसे ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस के देश में कुल 18 मामले हो गए हैं। सोमवार को पुडुचेरी में एक और बच्चा पॉजिटिव आया है। इससे पहले 3 और 5 साल के दो बच्चे संक्रमित पाए गए थे। पुडुचेरी के मेडिकल सर्विस डायरेक्टर वी रविचंद्रन ने कहा- बच्चे को बुखार, खांसी जैसी शिकायतें थीं। उसे 10 जनवरी को जेआईपीएमईआर में भर्ती कराया गया था। बच्चा ठीक हो रहा है।

देश में एचएमपीवी के सबसे ज्यादा 4 मामले गुजरात में हैं। महाराष्ट्र में 3, कर्नाटक और तमिलनाडु में 2-2, यूपी, राजस्थान, असम और बंगाल में एक-एक केस सामने आया है। एचएमपीवी केस बढ़ने पर अब राज्यों ने भी सतर्कता बढ़ा दी है। पंजाब में बुजुर्गों और बच्चों को मास्क पहनने की सलाह दी गई है। इधर, गुजरात में अस्पतालों में आइसोलेशन वार्ड बनाए जा रहे हैं। हरियाणा में भी स्वास्थ्य विभाग को एचएमपीवी केसेस पर निगरानी रखने के आदेश दिए गए हैं। छोटे बच्चे सबसे ज्यादा प्रभावित एचएमपीवी संक्रमित होने पर मरीजों में सर्दी और कोविड-19 जैसे लक्षण दिखाई देते हैं। इसका सबसे ज्यादा असर छोटे बच्चों पर देखा जा रहा है। इनमें 2 साल से कम उम्र के बच्चे सबसे ज्यादा प्रभावित हैं। केंद्र ने राज्यों को %न्फ्लूएंजा लाइक इलनेस और %सीवर एक्यूट रेस्पिरेट्री इश्यूज जैसी सांस की बीमारियों की निगरानी बढ़ाने और एचएमपीवी के बारे में जागरूकता फैलाने की सलाह दी है।

केंद्र सरकार ने कहा था- सर्दी में एचएमपीवी का इन्फेक्शन आम चीन में एचएमपीवी के बढ़ते मामलों के बीच इमरजेंसी जैसे हालात बनने की बात कही गई थी। हालांकि भारत सरकार ने 4 जनवरी को जॉइंट मॉनिटरिंग ग्रुप की बैठक की थी। इसके बाद सरकार ने कहा था कि सर्दी के मौसम में फ्लू जैसी स्थिति असामान्य नहीं है। चीन के मामलों पर भी नजर रखे हुए हैं और सरकार इनसे निपटने के लिए तैयार है-

10000 रन की उपलब्धि अलग ही बात है और भारत के खिलाफ मेरे दिमाग में यह घूमता रहा - स्मिथ

सिडनी । सिडनी में अपने घरेलू मैदान पर भारत के खिलाफ पांचवें और आखिरी टेस्ट में दस हजार टेस्ट रन पूरे करने से एक रन से चूके आस्ट्रेलिया के स्टार बल्लेबाज स्टीव स्मिथ ने कहा कि टेस्ट क्रिकेट में 10000 रन पूरे करना अलग ही बात है और भारत के खिलाफ उनके दिमाग में यह आंकड़ा घूमता रहा। स्मिथ को इस आंकड़े तक पहुंचने के लिये 38 रन की जरूरत थी लेकिन भारत के खिलाफ आखिरी टेस्ट में वह 37 रन ही बना सके। आस्ट्रेलिया ने वह टेस्ट छह विकेट से जीतकर एक दशक बाद बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी अपने नाम की। स्मिथ ने 'सेन 1170 ब्रेकफास्ट' शो पर कहा ,'' मैं आंकड़ों के बारे में ज्यादा नहीं सोचता लेकिन 10000 रन अलग बात है। ईमानदारी से कहूं तो यह मेरे दिमाग में घूम रहा था। मैच से पहले मीडिया इस बारे में इतनी बात कर रहा था क्योंकि मैं उस आंकड़े के करीब था।''नंबर 38' स्मिथ के दिमाग में इतना चल रहा था कि उन्होंने मजाक में कहा कि वह जोश हेजलवुड से हमेशा इसे जोड़कर देखेंगे क्योंकि हेजलवुड का जर्सी नंबर 38 है। उन्होंने कहा ,'' मुझे पता था कि मुझे 38 रन चाहिये। मैं उस रात सोने गया तो हेजलवुड की शर्ट का पीछे का हिस्सा मुझे दिख रहा था क्योंकि उस पर 38 लिखा है। यह अजीब था क्योंकि यह मेरे दिमाग में लगातार घूम रहा था।

जसप्रीत बुमराह को लेकर कपिल देव ने दिया बड़ा बयान

नई दिल्ली (एजेंसी)। टीम इंडिया के पूर्व दिग्गज कप्तान कपिल देव ने तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के साथ खुद की तुलना पर बयान दिया है। पूर्व कप्तान ने कहा कि एक पीढ़ी के खिलाड़ी की दूसरी पीढ़ी के खिलाड़ी के साथ तुलना नहीं की जा सकती। हाल ही में खेली गई बीजीटी 2024-25 के आखिरी मुकाबले के दौरान बुमराह चोटिल हुए थे।

बुमराह ने सीरीज में बेहतरीन प्रदर्शन किया था और इस दौरान उन्होंने सबसे ज्यादा 32 विकेट अपने नाम किए थे। जिसके लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द सीरीज के खिताब से नवाजा गया था। बुमराह को मौजूदा दौरे के महान गेंदबाजों में शामिल किया जाता है। मीडिया से बातचीत करते हुए कपिल देव ने कहा कि, कूपया तुलना मत करिए। आप एक पीढ़ी की दूसरी पीढ़ी के साथ तुलना नहीं कर सकते हैं।

आजकल के लड़के एक दिन में 300 रन बना देते हैं जो हमारे वक्त में नहीं होता था। इसलिए तुलना मत करिए। इसके अलावा कपिल देव ने बुमराह के वर्कलोड मैनेजमेंट पर बात करते हुए कहा कि, वर्कलोड? उन्होंने कितने ओवर डाले? कुल 150 ओवर डाले। लेकिन कितने मैच और कितनी पारियों में? पांच मैच और 9 पारियों में ठीक? और उन्होंने एक बार में 15 से ज्यादा ओवर नहीं डाले। उन्होंने स्पेल में गेदंबाजी की तो क्या ये बड़ी बात है? वर्कलोड मैनेजमेंट बकवास है। ये ऑस्ट्रेलियाई शब्द हैं, जिन्हें ऑस्ट्रेलियाई लोगों ने बनाया है।

मुंबई की रणजी टीम के साथ रोहित शर्मा ने किया अभ्यास

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा वापसी करने के लिए पूरी तरह से तैयार दिख रहे हैं। ऑस्ट्रेलिया के दौरे पर खेली गई बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 2024-25 में भारतीय कप्तान पूरी तरह से फ्लॉप रहे। उन्होंने इस दौरान 3 मैचों की सिर्फ 31 रन स्कोर किए थे, अब इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली अगली टेस्ट सीरीज से पहले रोहित शर्मा मुंबई की रणजी ट्रॉफी के साथ अभ्यास करते हुए नजर आए। रणजी ट्रॉफी के दूसरे चरण की शुरुआत 23 जनवरी से होगी। हालांकि, अभी ये साफ नहीं सका है कि क्या रोहित शर्मा रणजी के मुकाबलों में हिस्सा लेंगे या नहीं। गौर करने वाली बात ये है कि टीम इंडिया को 6 फरवरी से इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज खेलनी है और फिर 19 फरवरी से चैंपियंस ट्रॉफी 2025 की शुरुआत होगी। ऐसे में ये देखना दिलचस्प होगा कि रणजी मुकाबलों को लेकर रोहित शर्मा क्या फैसला करते हैं।

बता दें कि, भारतीय कप्तान ने आखिरी बार 10 साल पहले 2015 में मुंबई के लिए रणजी ट्रॉफी मैच खेला था। इसके बाद उन्होंने रणजी ट्रॉफी का कोई मुकाबला नहीं खेला।

इस दिन होगा टीम इंडिया का चैंपियंस ट्रॉफी के लिए ऐलान

नई दिल्ली (एजेंसी)। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए फैंस टीम इंडिया के स्क्वॉड के ऐलान का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। मेजबान टीम पाकिस्तान और भारतीय टीम ने अभी तक अपनी टीमों का ऐलान नहीं किया है। जबकि 8 में से 6 टीमें अपने स्क्वॉड का ऐलान कर चुकी हैं। अब सामने आई एक रिपोर्ट में बताया गया है कि इस दिन बीसीसीआई की तरफ से चैंपियंस ट्रॉफी के लिए टीम इंडिया का ऐलान किया जा सकता है। पहले बताया गया था कि बोर्ड की तरफ से टीम की घोषणा करने में कुछ देरी होगी। वहीं अब न्यूज एजेंसी पीटीआई की ताजा रिपोर्ट में बताया गया है कि ऐसा माना जा रहा है कि चैंपियंस ट्रॉफी के लिए टीम इंडिया का ऐलान विजय हजारे ट्रॉफी 2024-25 फाइनल के बाद होगा। बता दें कि, विजय हजारे ट्रॉफी का फाइनल 18 जनवरी को खेला जाएगा।

वहीं पहले सामने आई मीडिया रिपोर्ट्स में बताया गया था कि चैंपियंस ट्रॉपी 2025 की टीम के लिए 19 जनवरी को मीटिंग होगी और उसी दिन स्क्वॉड का ऐलान भी हो सकता है। हालांकि, अभी इस बारे में आधिकारिक जानकारी आना बाकी है। चैंपियंस ट्रॉफी से पहले टीम इंडिया को वनडे फॉर्मेट की आखिरी सीरीज इंग्लैंड के खिलाफ 06 फरवरी से खेलना है जिसमें तीन मैच होंगे। अब देखना दिलचस्प होगा कि चैंपियंस ट्रॉफी और वनडे सीरीज केलिए एक ही टीम का ऐलान किया जा सकता है याफिर अलग-अलग टीम की घोषणा होती है। बता दें कि, चैंपियंस ट्रॉफी की शुरुआत 19 फरवरी से होगी। टूर्नामेंट पाकिस्तान की मेजबानी में खेला जाएगा। हालांकि, हाइब्रिड मॉडल के तहत टीम इंडिया अपने सभी मैच दुबई में खेलेगी।

रणजी शिविर की जगह आईपीएल टीम के साथ जुड़ने से दिल्ली के विकेटकीपर रावत की मुश्किलें बढ़ी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के अनुभवी विकेटकीपर-बल्लेबाज अनुज रावत अरुण जेटली स्टेडियम में चल रहे राज्य टीम के रणजी शिविर को छोड़कर सूरत में अपनी नयी आईपीएल टीम गुजरात टाइटंस के अभ्यास सत्र में शामिल हुए। दिल्ली को रणजी ट्रॉफी के दूसरे चरण में अगले दौर के अपने मैच राजकोट में सौराष्ट्र का सामना करना है। बीसीसीआई के अधिकारी जब खिलाड़ियों से लाल गेंद प्रारूप को प्राथमिकता देने की अपेक्षा कर रहे हैं तब रावत का रणजी सत्र के दूसरे चरण से एक सप्ताह पहले आईपीएल शिविर में भाग लेना इस बात का स्पष्ट संकेत है कि उनकी प्राथमिकताएं क्या हैं।

गुजरात टाइटंस से जारी विज्ञप्ति के मुताबिक, '' गुजरात टाइटंस सूरत में एक प्रशिक्षण शिविर के साथ आईपीएल 2025 के लिए अपनी तैयारी शुरू कर दी है। अनुज रावत, इशांत शर्मा, जयंत यादव, कुमार कुशाग्र, महिपाल लोमरोर और अरशद खान जैसे खिलाड़ियों के साथ कोच और स्पोर्ट स्टाफ से जुड़े लोग इस शिविर में शामिल हुए है।'' इशांत शर्मा

भारतीय टेस्ट टीम में जगह के दावेदार नहीं है और ऐसे में उन्होंने डीडीसीए को बता दिया है कि वह रणजी मैच नहीं खेलेंगे। ऐसे में आईपीएल टीम के शिविर में इशांत के भाग लेने पर कोई विवाद नहीं है।

दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) के राज्य टीम चयन समिति के संयोजक सचिव अशोक शर्मा से जब रावत के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, ''मुझे इस बात की कोई जानकारी नहीं है कि अनुज ने आईपीएल टीम के शिविर में भाग लेने के लिए यहां जारी रणजी ट्रॉफी शिविर को छोड़ दिया है।

उसे इसके लिए राज्य क्रिकेट बोर्ड से मंजूरी लेनी चाहिए थी।। हमारे दो रणजी मैच बचे हैं और कोटला में शिविर जारी है। मुझे नहीं पता कि उन्हें रणजी ट्रॉफी शिविर में भाग न लेने की अनुमति किसने दी।''

पिछले साल कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के आईपीएल विजेता कप्तान श्रेयस अय्यर और ईशान किशन ने घरेलू क्रिकेट की तुलना में आईपीएल को अधिक महत्व देने के कारण बीसीसीआई का केंद्रीय अनुबंध गंवा दिया था।

अय्यर और किशन ने अपनी गलती से सीख ली और मौजूदा सत्र में सभी प्रारूपों में क्रमश: मुंबई और झारखंड के लिए खेल रहे हैं। रावत ने मौजूदा रणजी सत्र में तीन मैचों में 52 के सर्वोच्च स्कोर के साथ कुल 97 रन बनाये हैं।

भारत और इंग्लैंड टी20 सीरीज की टिकट ऐसे खरीदें

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और इंग्लैंड के बीच 22 जनवरी से टी20 सीरीज का आगाज होगा। इस सीरीज के मैचों में रनों की बारिश की उम्मीद भी की जा रही है। दोनों देशों के बीच पिछला टी20 मुकाबला वर्ल्ड कप के दौरान खेला गया और टीम इंडिया ने जीत हासिल की थी। टी20 सीरीज में पहला मुकाबला कोलकाता के ईडन गार्डन्स में खेला जाएगा। मुकाबले के टिकट की बिक्री भी शुरू हो गई है। टिकटों को फैस ऑनलाइन घर बैठे ही खरीद सकते हैं।

कोलकाता में टिकट अपेक्षाकृत सस्ते होते हैं। हालांकि, बिक्री के लिए टिकट थोड़ी देरी से आए हैं। लेकिन अब खरीदने के लिए फैंस के पास समय है। अलग-अलग कीमत में इन टिकटों को बिक्री के लिए रखा गया है। जितना महंगा टिकट होगा, उतना बेहतरीन व्यू होगा।

कई फैंस ऐसे हैं, जिन्होंने हर बार ही तरह इस बार भी टिकटों को चेक किया था। इसके अलावा पेटीएम इनसाइडर पर भी टिकट नहीं आए। इन दोनों के अलावा एक तीसरा प्लेटफॉर्म है, जहां टिकटों को ऑनलाइन खरीदा जा सकता है। जोमैटो के डिस्ट्रिक्ट एप्लीकेशन पर भी टिकट मिल जाएंगे। इसकी वेबसाइट डिस्ट्रिक्ट डॉट इन पर जाकर भी टिकटों को खरीदा जा सकता है। वहां अकाउंट बनाना होगा।

कोलकाता में होने वाले पहले टी20 मैच के लिए न्यूनतम टिकट प्राइस 800 रुपये है। इसके बाद ये प्राइस रेट बढ़ती चली जाती है। 1300 और 2000 रुपये भी टिकटों की प्राइस रखी गई है। अधिकतम रेट की बात करें तो, ये 2500 रुपये रखी गई है। वहीं भारत और इंग्लैंड के बीच टी20 सीरीज भारतीय समय के अनुसार शाम 7 बजे से शुरू होंगे। मुकाबलों को जियो सिनेमा पर लाइव देख सकते हैं। इसके अलावा स्पोर्ट्स 18 पर भी सीधा प्रसारण देखा जा सकेगा।

बुमराह ने जीता आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड, इन दो दिग्गजों को पछाड़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईसीसी ने मंगलवार को दिसंबर 2024 महीने के आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ विनर का ऐलान कर दिया है। इस कड़ी में भारत के स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को पुरुष वर्ग में महीने का बेस्ट खिलाड़ी चुना गया है। बुमराह ने इस मामले में पैट कमिंस और दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज डेन पेटरसन को पछाड़कर आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड जीता है। उन्होंने दूसरी बार ये अवॉर्ड जीतने का कारनामा किया है।

बुमराह ने ऑस्ट्रेलिया दौरे पर घातक गेंदबाजी की थी। उन्होंने दिसंबर में तीन टेस्ट में 14.22 के औसत से 22 विकेट चटकाए। उन्होंने चौथे और पांचवें मैच में 9-9 विकेट अपने नाम किए हैं। बुमराह ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच मैचों की बीजीटी में कुल 32 विकेट चटकाए। वह पीठ की जकड़न के कारण सिडनी में

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अंतिम टेस्ट में दूसरी पारी में गेंदबाजी नहीं कर पाए थे। उन्हें प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया था। भारत ने कमिंस की अगुवाई वाली टीम के हाथों 1-3 से सीरीज गंवाई।

कमिंस ने दिसंबर में भारत के खिलाफ तीन टेस्ट में 17.64 की औसत से 17 विकेट झटके। दूसरी ओर, पेटरसन ने श्रीलंका और पाकिस्तान के खिलाफ शानदार गेंदबाजी की और दक्षिण अफ्रीका की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। उन्होंने दो टेस्ट में 16.92 के औसत से 13 विकेट हासिल किए थे। ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में एंट्री कर चुके हैं, जो जून में लंदन के मैदान पर खेला जाना है। वहीं बुमराह ने कहा कि मैं दिसंबर महीने का आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ चुने जाने पर रोमांचित हूं। व्यक्तिगत पुरस्कारों के लिए चुना जाना सदैव विनम्र करने वाला होता है। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी अब तक की सबसे कड़ी प्रतिस्पर्धाओं में से एक थी। मेरे लिए ऑस्ट्रेलिया में जाकर अपने देश के लिए प्रदर्शन करना सम्मान की बात थी।

रणजी ट्रॉफी में खेलते हुए दिखेंगे शुभम गिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहले घर में न्यूजीलैंड टीम के खिलाफ हार और फिर बीजीटी 2024-25 में भारत की शर्मनाक हार के बाद बीसीसीआई एक्शन मोड में आ गया है। बोर्ड अब खिलाड़ियों को किसी भी तरह की छूट देने के मूड में नजर नहीं आ रहा है। कड़ा एक्शन लेने की तैयारी भी हो रही है और प्रदर्शन का रिव्यू किया जा रहा है।

भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने एक दिन पहले ही रणजी ट्रॉफी की मुंबई टीम के अभ्यास सेशन में जाकर खेलने का फैसला लिया था। बोर्ड के साथ हुई मीटिंग के बाद रोहित शर्मा ने ये फैसला किया। हालांकि, फिलहाल तय नहीं हुआ है कि वह रणजी ट्रॉफी में खेलेंगे या नहीं।

रोहित शर्मा रणजी टीम के नेट सेशन में गए हैं, उसी तरह और खिलाड़ी हैं जो अब रणजी ट्रॉफी में खेलने के लिए उपलब्ध हैं। युवा भारतीय खिलाड़ी ऑस्ट्रेलिया में टीम इंडिया के साथ था और प्रदर्शन के लिहाज से प्रभाव छोड़ पाने

में नाकाम रहा है।

इसी कड़ी में टीम इंडिया के युवा खिलाड़ी शुभमन गिल भी रणजी सीजन में खेलने के लिए तैयार हैं। ये जानकारी सामने आई है। क्रिकइंफो की एक रिपोर्ट के अनुसार शुभमन गिल ने खुद को कर्नाटक के खिलाफ पंजाब के रणजी मैच के लिए उपलब्ध बताया है। बता दें कि, मुकाबला 23 जनवरी से होगा।

वहीं गिल ने अपना आखिरी रणजी मुकाबला साल 2022 में खेला था। उस समय उन्होंने मध्य प्रदेश के खिलाफ क्वार्टर फाइनल मुकाबले में शिरकत की थी। उस दौरान उनके बल्ले से 19 रन आए थे और पंजाब को 10 विकेट से हार झेलनी पड़ी थी।

अहमदाबाद की पतंगों ने इठलाके सजाया आकाश, दर्शकों ने उठाया आनंद

पतंगों को देख याद आया बचपन

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मकर संक्रांति पर्व के अवसर में हिन्दू उत्सव समिति धर्म परिवार द्वारा अटल पार्क में आयोजित अदभुत पतंग महोत्सव 2025 में आकर सपनो की उड़ान भरती इठलाती पतंगों से आकाश में फैले इंद्र धनुषी रंगो की छटा देख के मुझे अपना बचपन याद आगया। कल हम भी पतंगों को उड़ाकर मस्ती किया करते थे और आंखों में आकाश छूने के सपने सजा के पतंगों को निहारते थे। धर्म परिवार को साधुवाद एवं बधाई देने बतौर मुख्य अतिथि पधारे निगम आयुक्त डॉक्टर सौरभ सोनवाने ने अपने भावभीने उदगार व्यक्त कर अपने बचपन की यादों को ताजा किया। यादगार आयोजन की अध्यक्षता कर रहे संजय गांधी अस्पताल के पूर्व संचालक डॉ सीबी शुक्ला ने कहा कि मैं प्रथम वर्ष से इस आयोजन का साक्षी हूं और आज रजत जयंती वर्ष में धर्म परिवार द्वारा अहमदाबाद से पतंगे बुलाकर नगर के पतंगबाजों को जो उपहार और दिशा देने का कार्य किया है उसके लिए अध्यक्ष गुरमीत सिंह मंगू संरक्षक नारायण डिगवानी एवं सुनील अग्रवाल के साथ पूरी टीम की मेहनत की मैं सराहना करता हूं।

पतंग महोत्सव में विशिष्ट अतिथि के रूप में उमा परोहा चेरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष डॉक्टर केके परोहा, ब्रह्मकुमारी निर्मला बहन जी, पार्षद मनीष नामदेव, पूर्व प्राचार्य राजेंद्र सिंह, अशोक राजऋषि, विष्णु तिवारी, वरिष्ठ पत्रकार अनिल त्रिपाठी ने मकर संक्रांति की सभी नगर वासियों को बधाई देते हुए धर्म परिवार को ऐसे कार्यों में में सहयोग देने का वादा किया। इस अवसर पर बघेली कवि कमलकिशोर तथा गायक नीलेश श्रीवास्तव ने अपनी सुमधुर कविता व गीत की प्रस्तुति से सभी को झूमने पर मजबूर कर दिया। दोपहर 12 बजे से पतंगबाज प्रतिभागियों का पंजीयन महासचिव सुरेश बिश्नोई, सांस्कृतिक सचिव राजीव वर्मा गुड्डू के मार्गदर्शन में पुनीत वर्मा, मनीष साहू, नागेंद्र वर्मा ने कर धर्म परिवार की ओर से पतंग उड़ाने के लिए प्रदान की गई। कार्यक्रम का संचालन नगर अध्यक्ष अनिल मिश्रा ने किया तथा अतिथियों का स्वागत कोषाध्यक्ष श्रीप्रकाश तोमर, युवा अध्यक्ष सुमित मांजवानी, श्रीमती संतोषी गुप्ता, ऋचा गुप्ता, माधुरी वर्मा, राकेश आसवानी, दिनेश जैन, दिनेश सेन, राजेश नामदेव, अमिताभ केशरवानी, दिलीप ठारवानी, राजेश साहू, बृजेंद्र ताम्रकार आदि ने स्वागत किया तथा सफल आयोजन में सहयोग दिया। सामूहिक पतंगबाजी में सभी ने आकाश को जिस तरह सजाया उसमें दर्शकों ने भी उत्साहवर्धन करके खूब आनंद उठाया। पतंग महोत्सव में 100 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया जिन्हें मुख्य अतिथि और अतिथियों ने धर्म परिवार की ओर से सहभागिता पुरस्कार प्रदान किए।

जिले में समर्थन मूल्य पर अब तक 3331213 क्विंटल हुई धान की खरीद

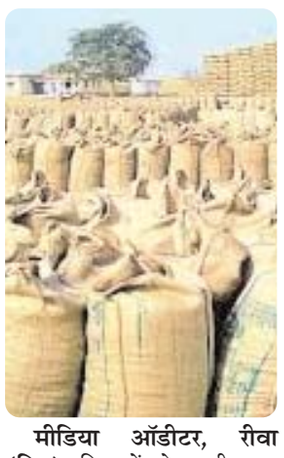

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। किसानों को उनकी उपज का अधिकतम मूल्य देने के लिए पंजीकृत किसानों से जिले भर में बनाये गये 95 खरीदी केन्द्रों में समर्थन मूल्य पर धान का उपार्जन किया जा रहा है। जिले में अब तक 52428 किसानों से अब तक 3331213 क्विंटल धान की खरीद की गयी है। इस संबंध में संयुक्त कलेक्टर एवं प्रभारी अधिकारी खाद्य पीके पाण्डेय ने बताया कि अब तक की गयी खरीदी के लिए किसानों को 766 करोड़ 17 लाख 90 हजार 834 रूपये मंजूर किये जा चुके हैं। किसान अपनी सुविधा के अनुसार स्लॉट बुक करके खरीदी केन्द्र और खरीदी के समय का निर्धारण करके समर्थन मूल्य पर धान दे सकते हैं। खरीदी के लिए अब तक 58368 किसानों ने स्लॉट बुक कराये हैं। अब तक 30 लाख 9 हजार 167 क्विंटल धान का परिवहन करके सुरक्षित भण्डारण कर दिया गया है। अब तक किसानों के बैंक खाते में 531 करोड़ 15 लाख 69 हजार 409 रुपए जारी किए जा चुके हैं। धान खरीदी की अंतिम तिथि 23 जनवरी निर्धारित है।

संस्कृति व आस्था का प्रतीक है मकर संक्रांति पर्व

आनंद उत्सव में खेल गतिविधियों में भाग लेने के साथ ही पतंग भी उड़ाई

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मकर संक्रांति पर्व के अवसर पर आनंद उत्सव उल्लासपूर्ण वातावरण में मनाया गया। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने शहर वासियों के साथ मकर संक्रांति का पर्व आनंद पूर्ण माहौल में मनाया। उन्होंने गिप्पी गेंद खेली, साइकिलिंग की तथा पतंग भी उड़ाई।

अटल पार्क में आयोजित कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने सभी को मकर संक्रांति की बधाई देते हुए कहा कि पर्व व त्योहार हमें एकजुट होकर उल्लासित रहने का अवसर देते हैं। मकर संक्रांति का पर्व संस्कृति व आस्था का पर्व है। सभी लोग उमंग व उल्लास से यह पर्व मना रहे हैं। अलग-अलग धाराओं को एकजाई कर रंग विरंगी घटा बिखर रही है। अटल पार्क में इस आयोजन ने आनंद की अनुभूति से सरावोर कर दिया है। उन्होंने कहा कि विरासत के साथ भाई चारे को अपनाते हुए आनंद उठाना चाहिए। रीवा अब सेरेमोनियल हो गया है। यहां सभी त्योहार पूरे उत्साह व उमंग से मनाये जाते हैं जिनमें सभी की भागीदारी रहती है। उन्होंने नगर निगम व अन्य विभागों के समन्वय से इस आयोजन की प्रशंसा की तथा कहा कि प्रतिवर्ष यह आयोजन होगा।

इस अवसर पर वरिष्ठ साहित्यकार चन्द्रिका प्रसाद चन्द्र ने कहा कि रीवा वासी सौभाग्यशाली है जिन्हें उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल जैसे मार्गदर्शक मिले हैं। उनके प्रयासों से ही रीवा में सभी त्योहार व आयोजन उमंग व उल्लास से मनाये जाने लगे हैं। वरिष्ठ पत्रकार जयराम शुक्ल ने अपने उद्बोधन में मकर संक्रांति के पौराणिक व वैज्ञानिक महत्व का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि भगवान भास्कर की ऊर्जा को उप मुख्यमंत्री जी ने पहचाना और रीवा में सोलर प्लांट की स्थापना कराई। सौर ऊर्जा ही भविष्य है। उन्होंने रीवा के विकास व उन्नति के लिये उप मुख्यमंत्री जी को साधुवाद दिया। आनंद उत्सव में विभिन्न खेलकूद, सांस्कृतिक गतिविधियों के आयोजन प्रातः काल से ही आरंभ हो गये। लोगों व बच्चों ने उत्साह पूर्वक गिप्पी गेंद, रस्साकसी, बोरारेस, नीबू-चम्मच दौड़, साइकिलिंग व पतंगबाजी की। महिला बाल विकास अन्तर्गत आयोजित स्टाल में उप मुख्यमंत्री ने सौभाग्यवती महिलाओं को सुहाग सामग्री का वितरण किया।

संजय गांधी अस्पताल में में पति, प्रेमिका और पत्नी का हाईव ड्रामा

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा के संजय गांधी अस्पताल में आज पति, प्रेमिका और पत्नी का हाईव ड्रामा देखने को मिला। यहां बीमार पति के पास प्रेमिका को देख पत्नी आग बबूला हो उठी और अस्पताल में ही जमकर हंगामा कर बैठी। स्वस्थ में प्रेमी, प्रेमिका और पत्नी को लेकर उस वक्त हंगामे की स्थिति निर्मित हो गई जब पति की तलाश करते हुए पत्नी अपने बच्चों के साथ अस्पताल जा पहुंची। अस्पताल में बीमार पति के साथ प्रेमिका को देख पत्नी आग बबूला हो गई और उसने अस्पताल में ही जमकर हंगामा कर दिया इस दौरान प्रेमिका के मोबाइल से उसके पति और प्रेमिका के बीच रासलीला के जो वीडियो सामने आए उसके बाद पत्नी खुब पर काबू नहीं पाई। हंगामे की स्थिति को देखते हुए सुरक्षाकर्मियों ने दोनों ही पक्ष को अस्पताल चौकी भेज दिया। इधर मामले की जानकारी होने के बाद अमहिया पुलिस भी मौके पर जा पहुंची जहां दोनों ही पक्षों को समझाइश दी गई। पीड़ित पत्नी ने बताया कि उसका पति लक्ष्मी नारायण शर्मा पेशे से ट्रक ड्राइवर है। आरोप है कि पति का दूसरी महिला से प्रेम प्रसंग चल रहा है और प्रेमिका के चक्कर में पड़कर पति कई-कई दिनों तक घर नहीं आता है वहीं पति के मोबाइल में कुछ ऐसी तस्वीरें और वीडियो मिली जिन्हें देखकर पत्नी अपने आप में काबू नहीं रख पाई।

बीजेपी विधायक ने साथी विधायक की फोटो पर सफेद रंग पोता

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा के मनगवां से भाजपा विधायक नरेंद्र प्रजापति ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के साथ हुई वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के दौरान की फोटो मंगलवार को शेयर की है। इसमें उन्होंने त्योंथर से विधायक सिद्धार्थ तिवारी को सफेद रंग से कवर कर दिया। फोटो सोशल मीडिया में आने पर विधायक सिद्धार्थ तिवारी के समर्थकों ने नरेंद्र प्रजापति को घेरना शुरू कर दिया। इसके जवाब में उन्होंने कहा कि सफेद रंग ही पोता, काला नहीं। इधर, कांग्रेस ने इस मामले में कहा कि ये लोग एक-दूसरे पर कालिख भी पोतेंगे।

दरअसल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सोमवार देर रात रीवा एयरपोर्ट पहुंचे थे। यहां उन्होंने शहडोल के उद्योगपतियों से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से चर्चा की। इस दौरान वहां कॉन्फ्रेंस रूम में सीएम के साथ डिप्टी सीएम राजेंद्र शुक्ल, त्योंथर विधायक सिद्धार्थ तिवारी और मनगवां विधायक नरेंद्र प्रजापत के साथ कई नेता और अधिकारी मौजूद थे। विधायक नरेंद्र प्रजापति ने अपने सोशल मीडिया हैंडल से चार फोटो एक साथ पोस्ट की। फोटो में भाजपा विधायक सिद्धार्थ तिवारी सफेद रंग में कवर नजर आ रहे हैं। विरोध के बाद प्रजापति ने करीब 12 घंटे बाद पोस्ट का डिलीट कर दिया। हालांकि, उन्होंने पहले पोस्ट डिलीट करने से मना कर दिया था।

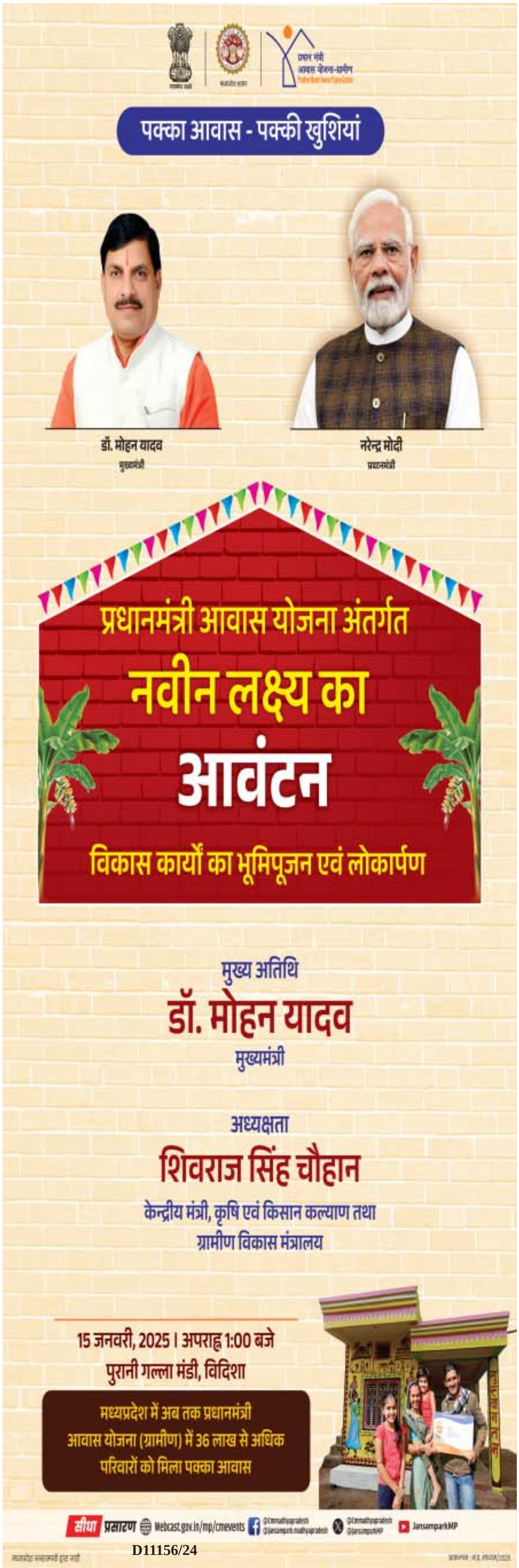

स्वत्वाधिकारी मुद्रक/प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया ऑडीटर पब्लिकेशन प्रा.लिमि. राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से प्रकाशित, **संपादक संदीप द्विवेदी**, आर.एन.आई नं. 69082/97, डाक पंजीयन क्र.- म. प्र./ रीवा संभाग/ 46/2023-2025, प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9589645803, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।